आषाढ़ कृष्णा - 12 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 323 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 22-06-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 तन के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ बनाता है योग : आदित्यनाथ

6 मेजर मैनियो फ्रांसिस: ऐसी रणनीति बनाई कि उग्रवादियों को संभलने का मौका नहीं मिला

7 एनटीआर जूनियर के साथ जोड़ी जमाएगी रुक्मिणी वसंथ!

फर्स्ट टेक

मध्यप्रदेश में राजधानी एक्सप्रेस पर पथराव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में राजधानी एक्सप्रेस पर पथराव किए जाने के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को रानी कमलापति (पहले हबीबगंज) और भोपाल स्टेशनों के बीच केएसआर बेंगलुरु-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (22691) पर हुए पथराव की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इस संबंध में एक यात्री ने बताया कि जब वह खाना खा रहा था, तो खिड़की का शीशा टूटा और एक पत्थर उसकी प्लेट पर आ गिरा।

वांछित भगोड़े को यूएई से वापस लाया गया

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात पुलिस द्वारा 3.66 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में वांछित एक भगोड़े को इंटरपोल के जरिये सीबीआई समन्वित एक अभियान में संयुक्त अरब अमीरात से वापस लाया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रियल एस्टेट एजेंट उपवन पवन जैन फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर धोखा देने, धोखे से संपत्ति हड़पने, मूल्यवान दस्तावेजों की जालसाजी करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में वांछित था। उसने एक संभावित खरीदार से 3.66 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी और उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस भी जारी किया गया था।

ईरान के बारे में गबार्ड की राय 'गलत' थी : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की पूर्व में व्यक्त की गई इस राय को गलत बताया है कि अमेरिका के विचार में ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है। शुक्रवार को अपनी 'सुपर पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' के लिए धन जुटाने के वास्ते न्यूजर्सी पहुंचने पर ट्रंप से मार्च में कांग्रेस को दिए गए गबार्ड के बयान के बारे में पूछा गया। दरअसल गबार्ड ने तब कहा था कि अमेरिकी जासूसी एजेंसियों का मानना है कि ईरान परमाणु हथियारों पर काम नहीं कर रहा है। इस पर राष्ट्रपति ने कहा,'' तो फिर, मेरा खुफिया समुदाय गलत है। खुफिया समुदाय में किसने ऐसा कहा?'' ट्रंप को जब बताया गया कि यह बात गबार्ड ने कही थी तो उन्होंने कहा, '' उनकी राय गलत है।'' इस बीच गबार्ड ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका के पास खुफिया जानकारी है कि ईरान इस स्थिति में है कि वह कुछ हफ़्तों या महीनों के भीतर परमाणु हथियार बना सकता है।''

सूर्यास्त 22-06-2025 6:48 बजे	सूर्योदय 23-06-2025 5:55 बजे
BSE 82,408.17 (+1,046.30)	NSE 25,112.40 (+319.15)
सोना 10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 109,016 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब कुछ बाँटो

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

योग ही शांति की राह दिखाता है : मोदी

▪ **मैं से 'हम' का भाव ही भारत की आत्मा का सार है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में तनाव की स्थिति से अशांति तथा अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग ही हमें शांति का रास्ता दिखाता है।

मोदी ने यहां 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को शांत, संतुलित और सतत विकास की ओर अग्रसर विश्व के निर्माण की दिशा में बढना चाहिए। योग ही विश्व में टकराव की जगह सहयोग और तनाव की जगह समाधान की ओर ले जा सकता है।

प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य रूस-यूक्रेन और ईरान-इजरायल युद्ध के चलते विभिन्न देशों में पैदा हुए टकराव को देखते हुए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। मैं विश्व समुदाय से आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक आग्रह करूंगा। आज के इस दिन से मानवता के लिए एक बार फिर नई शुरूआत होनी चाहिए। योग सिर्फ व्यक्तिगत अभ्यास न रहे, बल्कि वैश्विक साझेदारी का माध्यम बने। सभी देश, हर समाज, योग को जीवनशैली और लोकनीति का हिस्सा बनाए। हम मिलकर एक शांत, संतुलित और सतत विश्व को गति दें। योग ही विश्व को टकराव से सहयोग, और तनाव से समाधान की ओर ले जाएगा।

योग को जीवन का सार बताते हुए कहा कि ' मैं से हम' का भाव ही भारत की आत्मा का सार है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है।

उन्होंने कहा , भारत की संस्कृति हमें सिखाती है, सर्वे भवन्तु सुखिन, यानी सभी का कल्याण ही मेरा कर्तव्य है। 'मैं' से 'हम' की ये यात्रा ही सेवा, समर्पण और सह-अस्तित्व का आधार है। यही सोच सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती है।

भारत की सौम्य शक्ति का शानदार उदाहरण है योग : राष्ट्रपति मुर्मू

देहरादून/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को योग को भारत की सौम्य शक्ति का एक शानदार उदाहरण बताया और कहा कि योग अब पूरी मानव जाति की साझा विरासत बन गया है।

योग दिवस के अवसर पर यहां पुलिस लाइन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जब से संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के रूप में मनाने के भारत के प्रस्ताव को अपनाया है, तब से दुनिया भर के अधिकतर देशों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लिया है और इससे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह अब पूरी मानव जाति की साझा विरासत बन गया है।''

योग की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता का उदाहरण देते हुए उन्होंने कुवैत की योग साधक शीखा शेखा अली अल-जबर अल सबा का उल्लेख किया, जिन्हें योग को बढ़ावा देने और इसके माध्यम से संस्कृतियों को एकीकृत करने के लिए भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था।

राष्ट्रपति ने कहा, ''योग किसी धर्म, संप्रदाय या समुदाय से जुड़ा नहीं है। यह स्वस्थ जीवन जीने की एक कला है।''

केरल में एक सप्ताह से फंसा हुआ है ब्रिटेन का एफ-35बी लड़ाकू विमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन से तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम के अगले कुछ दिन में केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचने की उम्मीद है, जो ब्रिटिश नौसेना के फंसे हुए एफ-35बी 'स्टेल्थ' लड़ाकू विमान की जांच करेगी। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

लगभग 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाला और सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक माने जाने वाला यह जेट विमान 14 जून को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतरा था। इस विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में कथित तौर पर कोई समस्या थी।

सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन की नौसेना के विशेषज्ञों की एक टीम विमान का निरीक्षण करने के लिए जल्द ही तिरुवनंतपुरम पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले, 'कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' की एक रखरखाव टीम ने विमान का निरीक्षण किया था, लेकिन गड़बड़ी को ठीक नहीं कर पाई।

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम की सिफारिश करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने हाल में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ''निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप'' के लिए 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की औपचारिक रूप से सिफारिश करने का फैसला किया है। यह घोषणा 'एक्स' पर एक पोस्ट में की गई, जिसका शीर्षक था: ''पाकिस्तान सरकार 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की सिफारिश करती है''। यह घोषणा ट्रंप द्वारा 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मेजबानी के तीन दिन बाद की गई। पोस्ट में कहा गया है, ''पाकिस्तान सरकार ने हाल में भारत-पाकिस्तान संकट के दौरान निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप और महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के नाम की 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए औपचारिक रूप से सिफारिश करने का फैसला किया है।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया

प्रधानमंत्री ने 'सरेंडर' कर दिया!

▪ **हमें दूसरों के लिए बाज़ार बनना बंद करना होगा। अगर हम यहाँ नहीं बनाएंगे, तो दूसरों से ख़रीदते रहेंगे। वक़्त तेज़ी से बीत रहा है।**

▪ **यह कड़वा सच है कि हम असेंबल करते हैं, आयात करते हैं , लेकिन निर्माण नहीं करते। चीन मुनाफ़ा कमा रहा है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को सिर्फ 'असेंबल' और आयात किया जा रहा है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संदर्भ में नए विचारों के बिना 'सरेंडर' (समर्पण) कर दिया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दिल्ली के नेहरू प्लेस में लैपटॉप और मोबाइल की एक दुकान का दौरा किया। इसका वीडियो उन्होंने यूट्यूब और एक्स पर साझा किया।

राहुल गांधी ने कहा कि मेक इन इंडिया ने फैक्ट्री क्रांति का वादा किया था, तो फिर विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर क्यों है, युवाओं की बेरोज़गारी ऐतिहासिक ऊँचाई पर क्यों है, और चीन से आयात दोगुने से ज़्यादा क्यों हो गए हैं? उन्होंने दावा किया, मोदी जी को नारे देने आते हैं, समाधान नहीं। 2014 से अब तक, विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा हमारी अर्थव्यवस्था में सिर्फ़ 14 प्रतिशत रह गया है।

राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया, दिल्ली के नेहरू प्लेस में मैं शिवम और सैफ से मिला। दोनों ही होशियार, हुनरमंद, उम्मीदों से भरे हैं, लेकिन उन्हें अपनी क्षमता साबित करने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, यह कड़वा सच है कि हम असेंबल करते हैं, आयात करते हैं , लेकिन निर्माण नहीं करते। चीन मुनाफ़ा कमा रहा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नए विचारों के बिना, मोदी जी ने सरेंडर कर दिया है, जिनकी पीएलआई योजना का इतना प्रचार हुआ। अब उसे चुपचाप वापस लिया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को एक बुनियादी बदलाव की ज़रूरत है जो लाखों उत्पादकों को ईमानदार सुधार और वित्तीय सहयोग से सशक्त करे।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमें दूसरों के लिए बाज़ार बनना बंद करना होगा। अगर हम यहाँ नहीं बनाएंगे, तो दूसरों से ख़रीदते रहेंगे। वक़्त तेज़ी से बीत रहा है।

एयर इंडिया के खिलाफ डीजीसीए ने उठाया सख्त कदम

तीन वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से हटाने का आदेश

▪ **डीजीसीए ने माना है कि तीनों अधिकारियों ने बार-बार और गंभीर गलतियां की हैं।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के खिलाफ चालक दल के सदस्यों (क्रू मेंबरों) की ड्यूटी अनुक्रम में नियमों का जानबूझकर उल्लंघन करने पर कार्रवाई करते हुए तीन वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से हटाने का आदेश दिया है।

शुक्रवार को हस्ताक्षरित आदेश में डीजीसीए ने जिन तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए हैं, उनमें डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, ऑपरेशंस डायरेक्टोरेट में क्रू शेड्यूलिंग से जुड़ी सुश्री पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग-प्लानिंग की सुश्री पायल अरोड़ा शामिल हैं।

आदेश पत्र में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने नियमों के खिलाफ चालक दल का संयोजन बनाने के साथ ही लाइसेंस तथा रेसेंसी नियमों का उल्लंघन किया है।

डीजीसीए ने माना है कि तीनों अधिकारियों ने इस विषय में बार-बार और गंभीर गलतियां की हैं।

आदेश पत्र में कहा गया कि लाइसेंसिंग, आराम और रीसेंसी आवश्यकताओं में चूक के बावजूद फ्लाइट क्रू को शेड्यूल और संचालित करने के संबंध में एयर इंडिया द्वारा बार-बार मनमानी और नियमों के गंभीर उल्लंघनों का खुलासा किया गया।

रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान में रुकावटें पैदा कर रही हैं बाहरी शक्तियां: पुतिन

मास्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि बाहरी शक्तियां रूस -यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान में रुकावटें पैदा कर रही हैं। ये शक्ति अपने रणनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए यूक्रेन का प्रयोग कर रही हैं।

स्काई न्यूज अरबिया को दिये साक्षात्कार में पुतिन ने कहा, रूस के खिलाफ काम करने वाली बाहरी शक्तियों के हाथों का खिलौना बनने के बजाय यूक्रेन बेहतर भाग्य का हकदार है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को परमाणु हथियारों से जुड़ी किसी भी महत्वाकांक्षा को त्याग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थायी समझौते में उन चार क्षेत्रों में हुए जनमत संग्रह को मान्यता देना शामिल होना चाहिए, जिन पर अब रूस का दावा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन परिणामों को खारिज करने से संघर्ष फिर से भड़क सकता है।

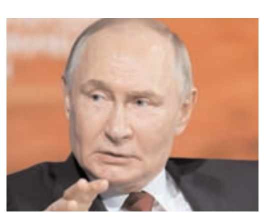

इजराइल ने ईरान के परमाणु अनुसंधान केन्द्र पर हमला किया, दूसरे सप्ताह भी जारी युद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने बीती रात ईरान की परमाणु अनुसंधान सुविधा पर हमला किया और निशाना बनाकर किए गए हमलों में तीन वरिष्ठ ईरानी कमांडरों की मौत हो गई। दोनों देशों के बीच युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया है।

शनिवार सुबह इस्फहान में एक पर्वत के निकट इलाके से धुआं उठता दिखाई दिया, जहां एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने दो बार परमाणु अनुसंधन सुविधा पर हमला किया।

इजराइली सेना के एक अधिकारी के अनुसार निशाने पर दो सेंट्रिफ्यूज उत्पादन स्थल थे।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तहस-नहस करने के इजराइल के लक्ष्य के तहत 24 घंटे में इस्फहान में हुआ यह दूसरा हमला था।

इस्फहान प्रांत के सुरक्षा मामलों के डिप्टी गवर्नर अकबर सालेही ने पुष्टि की कि इजराइली हमलों में सुविधा को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ।

ईरान ने एक बार फिर इजराइल पर ड्रोन और मिसाइल दागे, लेकिन तत्काल कोई महत्वपूर्ण नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

इजराइल की डेविड एडोम बचाव सेवा ने शनिवार को कहा कि उत्तरी इजराइल में दो मंजिला इमारत पर एक ईरान ड्रोन गिरा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

इस बीच दोनों देशों के दरमियान तनाव कम करने के उद्देश्य से स्विटजरलैंड के जेनेवा में घंटों चली कूटनीतिक वार्ता बेनतीजा रही।

यूरोपीय अधिकारियों ने भविष्य में वार्ता की आशा व्यक्त की जबकि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि वह आगे भी वार्ता के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल की ओर से लगातार हमले किए जाने के कारण ईरान को अमेरिका के साथ वार्ता करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, यदि हमले बंद हो जाएं और हमलावर को उसके अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए तो ईरान कूटनीतिक कदमों पर विचार करने के लिए तैयार है।

सभी भारतीय नागरिकों को निकाल रहा है भारत

तेहरान/भाषा। ईरान और इजराइल में जारी संघर्ष के बीच, भारत ईरान से अपने सभी नागरिकों को निकाल रहा है। यहां स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आपातकालीन संपर्क नंबर और एक टेलीग्राम चैनल का लिंक प्रदान किया। पोस्ट में कहा गया है कि भारतीय दूतावास ईरान से सभी भारतीय नागरिकों को निकाल रहा है। एक अन्य पोस्ट में, दूतावास ने कहा कि वह नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी निकालने का प्रयास कर रहा है। इसमें कहा गया है कि नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध पर इन दोनों देशों के नागरिकों को निकालने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्ट में नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों के लिए दूतावास के टेलीग्राम चैनल या आपातकालीन संपर्क नंबर पर संपर्क के लिए कहा गया है।

सहज स्मृति योग

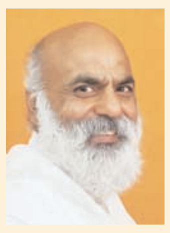

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, कभी-कभी कहीं-कहीं ऐसी मानसिक दशा हो जाती है कि बुद्धि से हम यह निर्णय नहीं कर पाते हैं कि क्या सही है और क्या ग़लत है ? ऐसी स्थिति-परिस्थिति में कैसा व्यवहार करना चाहिए ? क्योंकि व्यवहार करने से बचने के लिए हम संसार से दूर कहीं और पलायन कर भाग तो सकते नहीं्।

उत्तर: जहाँ बुद्धि द्वारा निर्णय करने की मानवी सीमा समाप्त होती है वहाँ मानवीय मूल्यों के आधार पर न्याय मांगने या करने या देने की सीमा भी तो समाप्त हो जाती है क्योंकि मानवीय विवेक और मानसिक संतुलन का सारा दारोमदार बुद्धिमत्ता पर ही आश्रित है। बुद्धि से ही नीति-अनीति का निर्णय होता है । इसके उपरांत मनुष्य या तो भगवान बनता है या हैवान। वर्तमान में व्यक्ति तो छोड़िए, देशों के चरित्र पर भी दृष्टि डालेंगे तो भी यही दृश्य दिखता हुआ पाएंगे। पर, सौभाग्य की बात यह है कि स्थिति परिस्थिति कैसी भी हो चुनाव सदैव अपने ही हाथ में होता है। अनिर्णय की स्थिति में अपनी यथार्थ सामर्थ्य का आकलन करना चाहिए और तब साहस, सत्य, करुणा, कृपा, प्रेम, क्षमा, दया आशीर्वाद, धैर्य इत्यादि अनेकों ऐसे सद्भाव हैं जिनका आचरण और व्यवहार में अपनी सामर्थ्य के अनुसार चुनाव करते हुए किया जाना चाहिए्। पलायन या कायरता न तो लोक के लिए शुभ है और ना ही वह परलोक की निमित्त बनती है।

भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षण कमान मुख्यालय में चलता हुआ योगाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शनिवार को भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षण कमान मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मुख्यालय प्रशिक्षण कमान (एचक्यूटीसी) परिसर में समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुछ बुनियादी क्रियाओं से हुई, जो धीरे-धीरे विभिन्न आसनों और प्राणायाम तकनीकों के माध्यम से आगे बढ़ा और एक गंभीर संकल्प के साथ संपन्न हुआ, जिसमें अनुशासन, एकता और आंतरिक शांति की भावना को दर्शाया गया, जिसे योग बढ़ावा देता है। योग कार्यक्रम में एयर मार्शल तेजिंदर सिंह, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, ट्रेनिंग कमांड, एआईएफ के साथ-साथ मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्मिक और परिवार मौजूद थे।

दपरे के बेंगलूरु डिवीजन के अनुग्रह सामुदायिक केन्द्र में चलता योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने अनुग्रह सामुदायिक केंद्र में सामूहिक योग प्रदर्शन सत्र के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य/दूरसंचार समीर दीक्षित ने सभा को संबोधित किया और समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक संतुलन को बढ़ावा देने के लिए दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया।

इस सत्र में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर और परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती उमा शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

राजस्व विभाग के संरक्षक नहीं हैं उच्च न्यायालय : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बंबई उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय राजस्व विभाग के संरक्षक नहीं हैं। बंबई उच्च न्यायालय ने एक कंपनी को 256.45 करोड़ रुपए लौटाने के न्यायाधिकरण के निर्देश पर रोक लगा दी है।

न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय यह मानते हुए न्यायाधिकरण के निर्देश पर रोक नहीं लगा सकता कि बेलापुर आयुक्तालय के सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त की ओर से दायर अपील विचारणीय नहीं थी। उच्चतम न्यायालय ने बंबई उच्च न्यायालय के 12 जून के आदेश पर रोक लगाते हुए कहा उच्च न्यायालय राजस्व का संरक्षक नहीं है।

मंगलूरु में युवक ने पीछा किए जाने का आरोप लगाया, इलाके में तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंटवाल (मंगलूरु)। कर्नाटक के मंगलूरु में पिछले हफ्ते दर्ज किए गए हत्या के प्रयास के एक मामले में उस समय नया मोड़ आ गया जब मामले के शिकायतकर्ता ने शुक्रवार रात फिर से दो अज्ञात लोगों द्वारा पीछा किए जाने का आरोप लगाया। हालांकि पुलिस ने व्हाट्सएप पर फैल रही 'तलवार से हमले' की खबरों को अफवाह करार दिया है। इस मामले में पुलिस की ओर से शनिवाार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बीती रात लगभग 10 बजे हत्या के प्रयास के पिछले मामले में शिकायतकर्ता मोहम्मद मकबूल (34) अपने एक रिश्तेदार के स्कूटर पर पीछे बैठकर बोलियार से मेल्कार की ओर जा रहा था, जब वे देराजे बस स्टैंड के पास पहुंचे तो उन्होंने हेलमेट पहने दो अज्ञात व्यक्तियों को एक स्कूटर पर बैठे दो लोगो को देखा।

मकबूल के अनुसार उन दोनों में से एक व्यक्ति अचानक उनके स्कूटर की तरफ दौड़कर आया, यह देखकर मकबूल ने अपने रिश्तेदार से तेजी से स्कूटर चलाने को कहा और वे बिना पीछे देखे सीधे नंदावर स्थित अपने घर चले गए और अपने पिता को इस जानकारी दी। बाद में पूछताछ के दौरान मकबूल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसने स्कूटर की तरफ दौड़कर आ रहे व्यक्ति के हाथ में कोई तलवार या अन्य कोई घातक हथियार नहीं देखा।

मकबूल ने स्पष्ट कहा कि व्हाट्सएप पर 'तलवार से हमले' की जो झूठी खबरें फैल रही हैं उनसे उसका कोई लेना-देना नहीं है। मकबूल ने यह भी कहा कि उसने घटनास्थल पर किसी भी तरह की भीड़ जमा नहीं की थी। मकबूल की शिकायत के आधार पर बंटवाल ग्रामीण

पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125 (हमला) के अंतर्गत मामला दर्ज किया जा रहा है।

पुलिस ने यह भी बताया कि जब पुलिस उपनिरीक्षक घटना स्थल पर पहुंचे तो वहां जमा कुछ लोगों ने पिछले हफ्ते बकरीद के दौरान जब्त की गई गायों के मामले में की गई कार्रवाई और सजीपनाडु में हुए हत्या के प्रयास के मामले में कथित तौर पर कोई कार्रवाई न होने को लेकर सवाल उठाए। पुलिस अब इस पहलू से भी जांच कर रही है कि पिछले हफ्ते के हत्या के प्रयास के मामले और बकरीद के दौरान गायों को जब्त करने की घटना के बीच क्या कोई संबंध है? गौरतलब है कि इसी शिकायतकर्ता ने पिछले सप्ताह हत्या के प्रयास का एक मामला दर्ज कराया था, जिसके अब तक कोई सबूत नहीं मिले हैं।

रक्षा फाउंडेशन द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करने का कार्य सराहनीय : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि रक्षा फाउंडेशन द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करने का कार्य सराहनीय है। उन्होंने आज रक्षा फाउंडेशन द्वारा जयनगर के चंद्रगुप्त मौर्य (शालिनी) खेल मैदान में प्रतिभावान विद्यार्थियों को निशुल्क नोटबुक एवं लैपटॉप वितरित करने के कार्यक्रम में अपनी बात रखी। उन्होंने रक्षा फाउंडेशन के संस्थापक एवं विधायक सी.के. राममूर्ति के सेवा कार्यों के इस कार्यक्रम की सराहना की।

उन्होंने कहा कि आज हम पूरे विश्व में 11वां योग दिवस मना रहे हैं। हमारे गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की इच्छा के अनुसार, हमारा गौरवशाली योग दिवस पूरे विश्व में सभी देशों में मनाया जा रहा है; उन्होंने सराहना की कि योग के महत्व को विश्व में फैलाने का कार्य किया जा रहा है। बच्चे भगवान के समान हैं और भगवान का स्वरूप हैं। बच्चों में वह जाति, वह धर्म, वह धर्म, वह छुआछूत, क्रोध, ईर्ष्या नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि बच्चों में बुरे विचार नहीं होते। उन्होंने रैंक पाने वाले छात्रों को भविष्य की उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन्हें जीवन में कुछ हासिल करने और आदर्शों को अपनाने की सलाह दी। विधायक और रक्षा फाउंडेशन के संस्थापक सी.के. राममूर्ति, आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति, बेंगलूरु के विधायक और स्थानीय नेता मौजूद थे।

विशाखापत्तनम में योग दिवस पर 23 वैश्विक रिकॉर्ड बने : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि राज्य ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 23 वैश्विक रिकॉर्ड बनाए है जिनमें दो 'गिनीज रिकॉर्ड' और 21 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ योगाभ्यास करने के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि इस प्राचीन कला का प्रदर्शन करने के लिए यहां 3.03 लाख लोग एकत्र हुए हैं, जिससे एक ही स्थान पर सर्वाधिक लोगों द्वारा योगाभ्यास करने का विश्व रिकार्ड बना है। नायडू ने योग दिवस की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, कुल 23 वैश्विक रिकॉर्ड बनाए गए, जिनमें 21 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' और दो 'गिनीज रिकॉर्ड' शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि करीब 22,122 आदिवासी छात्रों ने एक ही स्थान पर 108 मिनट में 108 बार सूर्य नमस्कार कर एक और विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज विशाखापत्तनम में दो विशाल महासागर दिखे, एक तरफ बंगाल की खाड़ी और दूसरी तरफ योग साधकों का असीम सागर। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लाखों नागरिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने और हमारे 'योग आंध्र' अभियान की सफलता का जश्न मनाने के लिए शामिल हुआ। उन्होंने कार्यक्रम की मेजबानी का अवसर देने और उनकी 'प्रेरक उपस्थिति' के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, 11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस भव्य आयोजन रहा। हमने इतिहास रचा है। नायडू ने बताया राज्य सरकार को आज के योग दिवस के लिए दो करोड़ पंजीकरण की उम्मीद थी, लेकिन यह संख्या बढ़कर 2.45 करोड़ तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नायडू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विशाखापत्तनम के 'आरके बीच' पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

कृषि गतिविधियों के लिए स्वस्थ रहना जरूरी

चौहान ने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों से योग करने का आग्रह किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि कृषि गतिविधियों को प्रभावी ढंग से करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है और उन्होंने किसानों और कृषि वैज्ञानिकों से योग का अभ्यास करने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग कार्यक्रम में भाग लिया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि उत्पादक कृषि के लिए अच्छा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, खेती तभी प्रभावी ढंग से की जा सकती है, जब शरीर स्वस्थ हो। कई योग आसन भी कृषि कार्य की शारीरिक मांगों को पूरा करते हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने गैरसैंण में योग नीति की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य के लिए योग नीति की घोषणा की। उत्तराखंड इस तरह की नीति तैयार करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में कई विदेशी गणमान्यों की मौजूदगी में इसकी घोषणा करते हुए धामी ने कहा कि योग नीति का उद्देश्य राज्य को वैश्विक स्वास्थ्य गंतव्य के रूप में विकसित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस नीति के तहत योग एवं 'वेलनेस सेंटर' स्थापित करने के लिए 20 लाख रुपए तक की सब्सिडी दी जाएगी जबकि योग, ध्यान एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए 10 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। देश की पहली योग नीति-2025 के तहत धामी ने कहा कि उनकी सरकार 2030 तक उत्तराखंड में पांच नए योग केंद्र स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक राज्य के सभी आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (वेलनेस सेंटर) में योग सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि नीति के तहत राज्य के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों में दो आध्यात्मिक शहरों का विकास किया जाएगा। धामी ने कहा, ''उत्तराखंड को योग और स्वास्थ्य की वैश्विक राजधानी बनाना हमारी प्रतिबद्धता है।'' योग को उपचार की एक प्राकृतिक प्रणाली बताते हुए धामी ने कहा कि यह मन, आत्मा और शरीर के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करता है। उन्होंने कहा, ''योग हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है तथा मानव जीवन को आंतरिक शांति, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक स्थिरता प्रदान करता है। योग तनाव को कम करने में मदद करता है। विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम से शरीर और मन को तनाव से मुक्त किया जा सकता है।

आईसीआईसीआई बैंक ने एचडीएफसी लि. के विलय से पहले अधिग्रहण की पेशकश की थी: पारेख

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज बैंकर और एचडीएफसी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा है कि आईसीआईसीआई बैंक ने एचडीएफसी लिमिटेड को अपने नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। एचडीएफसी बैंक की मूल इकाई एचडीएफसी लि. ने बाद में बैंकिंग अनुषंगी कंपनी के साथ विलय कर देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का ऋणदाता बनाया। विलय एक जुलाई, 2023 से प्रभावी हुआ। रिवर्स विलय के साथ, 44 वर्षीय संस्था एचडीएफसी लि. पुरानी यादों में खो गई। दिलचस्प बात है कि एचडीएफसी लि. के निर्माण में आईसीआईसीआई बैंक की मूल इकाई आईसीआईसीआई लि. ने वित्तीय सहायता दी थी। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोचर के साथ बातचीत के दौरान पारेख ने कहा, मुझे याद है कि आपने मुझसे बात की थी...आपने कहा कि आईसीआईसीआई ने एचडीएफसी की शुरुआत की थी। आप घर वापस क्यों नहीं आते?, यह आपका प्रस्ताव था।

'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से और 256 भारतीय छात्र दिल्ली लाये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान एयर का एक विमान 256 भारतीय छात्रों को लेकर शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डा पर सुरक्षित उतरा, जिससे उनके चिंतित परिजनों को काफी राहत मिली है। इन छात्रों में ज्यादातर कश्मीर घाटी से हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान में फंसे छात्रों में से कई छात्र वहां डर और अनिश्चितता का सामना करने के बाद थके हुए नजर आ रहे थे।

जम्मू कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, ''ईरानी अधिकारियों के साथ समय पर समन्वय और प्रयासों के लिए भारत सरकार को धन्यवाद। हम शेष छात्रों, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' एसोसिएशन ने यह भी पुष्टि की कि भारतीय छात्रों को लेकर एक और उड़ान के रात 11:30 बजे के आसपास राष्ट्रीय राजधानी में पहुंचने की उम्मीद है। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत 24 घंटे के भीतर ईरान से भारतीयों को वापस लाने वाली यह दूसरी उड़ान थी। ईरान के मशहद से एक और उड़ान शुक्रवार देर रात दिल्ली पहुंची थी। इसमें 290 भारतीय छात्र सवार थे, जिनमें से ज्यादातर जम्मू कश्मीर से हैं। भारतीय अधिकारियों ने अपने ईरानी समकक्षों के साथ समन्वय करके तेहरान में फंसे छात्रों को मशहद तक पहुंचाने में सहायता प्रदान की, ताकि वे वहां से उड़ान पकड़ सकें। ईरान ने भी निकासी में सहायता के लिए विशेष कदम उठाते हुए अपना हवाई क्षेत्र खोला।

मोदी सरकार ने पश्चिम एशिया पर भारत के सैद्धांतिक रुख को त्यागा : सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने गाजा की स्थिति और इजराइल-ईरान सैन्य संघर्ष पर चुप्पी साधते हुए भारत के सैद्धांतिक रुख और मूल्यों को त्याग दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को आवाज बुलंद करनी चाहिए और पश्चिम एशिया में संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए उपलब्ध हर राजनयिक मंच का उपयोग करना चाहिए।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक ''द हिन्दू'' के लिए लिखे एक लेख में आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने इजराइल और फलस्तीन के रूप में दो राष्ट्र वाले समाधान से जुड़े भारत के सैद्धांतिक रुख को त्याग दिया है। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, ''ईरान भारत का लंबे समय से मित्र रहा है और गहरे सभ्यतागत संबंधों से हमारे साथ जुड़ा हुआ है। इसका जम्मू-कश्मीर समेत महत्वपूर्ण मौकों पर दृढ़ समर्थन का इतिहास रहा है।'' उन्होंने उल्लेख किया कि 1994 में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत की आलोचना करने वाले एक प्रस्ताव को रोकने में मदद की थी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''वास्तव में, इस्लामी गणतंत्र ईरान अपने पूर्ववर्ती, ईरान के 'शाह शासन' की तुलना में भारत के साथ कहीं अधिक सहयोगी रहा है, जिसका झुकाव 1965 और 1971 के युद्धों में पाक की ओर था।'' सोनिया गांधी का कहना है, हाल के दशकों में भारत और इजराइल के बीच भी रणनीतिक संबंध विकसित हुए हैं। इस महत्वपूर्ण स्थिति में आने से हमारे देश का तनाव कम करने और शांति बहाल करने का नैतिक दायित्व और शक्ति बढ़ी है। यह कोई कोरा सिद्धांत नहीं है। पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय नागरिक रह रहे हैं और काम कर रहे हैं, इसलिए इस क्षेत्र में शांति स्थापना महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दा है। उनके मुताबिक ईरान के खिलाफ इजराइल के मौजूदा हमले उस समय किए गए हैं, जब शक्तिशाली पश्चिमी देशों ने उसकी अमानवीय कार्रवाइयों को नजरअंदाज कर उसे लगभग समर्थन दिया है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी हुई तो उच्चतम न्यायालय जाएंगे : फारूक अब्दुल्ला

अनंतनाग/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि यदि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में अत्यधिक देरी हुई, तो उनकी पार्टी उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। फारूक अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद कहा, ''चुनाव के बाद लोग चाहते थे कि उनके मुद्दों का तुरंत समाधान हो, लेकिन राज्य का दर्जा (बहाल न किया जाना) हमें ऐसा करने से रोक रहा है। लोगों की कई मांगें हैं जैसे कि वे चाहते हैं कि वह (नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक अल्ताफ कालू) मंत्री बनें, लेकिन जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, यह कैसे संभव है? '' उन्होंने कहा, '' हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अगर वे (केंद्र) लंबा समय लेंगे, तो हमारे पास उच्चतम न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि जब राज्य का दर्जा बहाल होगा, तो हमें सभी अधिकार मिलेंगे।''

उम्मीद है कि इजराइल और ईरान शीघ्र ही एक-दूसरे पर हमला करना बंद कर देंगे: उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को उम्मीद जताई कि इजराइल और ईरान जल्द ही एक-दूसरे पर हमला करना बंद कर देंगे तथा बातचीत के जरिये अपने मुद्दों को सुलझा लेंगे।

अब्दुल्ला ने मध्य कश्मीर में अपने विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में संवाददाताओं से कहा, ''हम केवल उम्मीद और प्रार्थना कर सकते हैं कि जंग रुक जाए। स्थिति खराब है। ऐसा नहीं होना चाहिए था।'' उन्होंने इस बात पर आश्चर्य प्रकट किया कि किस आधार पर इजराइल ने ईरान पर हमला किया। उन्होंने कहा, '' कुछ दिन पहले अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रभारी ने सीनेट और कांग्रेस के सामने कहा था कि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने के करीब नहीं है। तो अगर अमेरिका को कुछ दिन पहले ऐसा लगता था तो फिर इजराइल ने ईरान पर हमला क्यों किया?'' उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि इसके पीछे कुछ राजनीति है, लेकिन हमें उम्मीद है कि यह सिलसिला जल्द ही बंद हो जाएगा और मुद्दों को बातचीत के जरिये सुलझाया जाएगा।'' अब्दुल्ला ने अपने विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों का दौरा किया और कहा कि स्थानीय विधायक के तौर पर ऐसा करना उनका कर्तव्य है।'' उन्होंने कहा, ''गांदरबल के लोगों ने मुझे उनका प्रतिनिधित्व करने और उनकी सेवा करने के लिए भेजा है और मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। इसलिए, जब से मैं विधायक बना हूं, हमने यहां विकास की गति तेज कर दी है।''

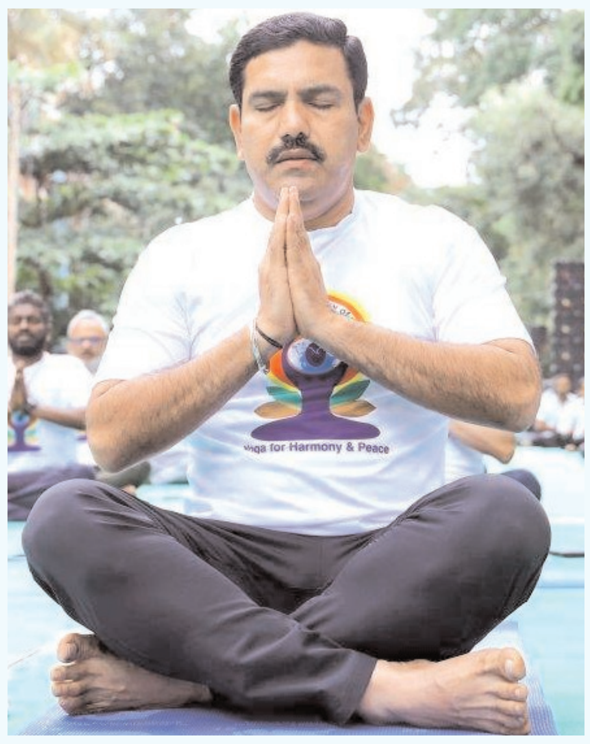

पूरे उत्साह और उमंग से मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु समेत पूरे कर्नाटक राज्य के विभिन्न हिस्सों में शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पार्क, सार्वजनिक स्थान, कार्यालयों आदि सभी जगह लोगों के सुबह योग किया और अपने अपने फोन स्टेट्स पर उसकी फोटो लगाई। कर्नाटक में नेता, अभिनेता, सेना अधिकारियों, सैनिकों, दक्षिण रेलवे के मुख्यालय आदि सभी जगह सुबह योग करके अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम कर्नाटक विधानसौधा के ऐतिहासिक सीढ़ियों पर हुआ। जहां राज्यपाल थावरचन्द गहलोत, विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, अभिनेता अनिरुद्ध एवं किशन, अभिनेत्री सानिया अय्यर, एमएलसी टीए सरवणा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। राज्यपाल गहलोत ने इस मौके पर कहा कि योग का अभ्यास हमें अहिंसा, करुणा और शांति की ओर ले जाता है – ये ऐसे मूल्य हैं जो सतत विकास और हमारे ग्रह के संरक्षण के लिए आवश्यक हैं। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के विजन को साकार करने के लिए योग को अपनाना समय की मांग है।

शनिवार को सुबह मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वनाथनारायण, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, अंतरराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ राघवेंद्र पाई, कन्नड़ फिल्म अभिनेता कोमल कुमार, कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री श्रीमती सुधारानी, प्रदेश सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा, शरणु तारिकेरी, डॉ. लक्ष्मी अश्विनी गौड़ा, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वनाथनारायण, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री मंजुला, प्रकोष्ठ समन्वयक एस. दत्तात्री, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष श्री एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, प्रदेश पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु के एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) में शनिवार को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग का आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी सामान्य योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया गया।

एएफटीसी के नागरिकों सहित सभी उपलब्ध कर्मियों और परिवारों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस कार्यक्रम को अपने शारीरिक और मानसिक कौशल को फिर से जीवंत करने के दिन के रूप में मनाया। एयर कमोडोर आशुतोष श्रीवास्तव कमांडेंट, एएफटीसी के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी सत्र में शामिल हुए।

बेंगलूरु के जालहल्ली स्थित वायुसेना स्टेशन पर शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर स्टेशन के 460 से अधिक भारतीय वायुसेना कर्मियों और परिवारों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस अवसर को अपने शारीरिक और मानसिक कौशल को फिर से जीवंत करने के दिन के रूप में मनाया। एयर कमोडोर संतोष केपी हेगड़े, एओसी, वायु सेना स्टेशन जालहल्ली के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस सत्र में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बुनियादी क्रियाओं को शामिल किया गया, उसके बाद कुछ आसन, प्राणायाम किए गए और संकल्प और प्रार्थना के साथ समापन हुआ।

बेंगलूरु के बनासवाड़ी स्थित सैन्य छावनी में गोरखा उभयचरों ने आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल फाउंडेशन, बेंगलूरु के सहयोग से असाधारण उत्साह और सैन्य सटीकता के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 मनाया। वैश्विक थीम योग के माध्यम से एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के अनुरूप, इस कार्यक्रम में 1000 से अधिक कर्मियों और परिवारों ने भाग लिया, जिसने समग्र कल्याण के लिए छावनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। योग प्रशिक्षक योगेश पांडे और सुश्री तन्मयी देसाई के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में एक साथ आसन किए।

बेंगलूरु के यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाने में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। दिन की शुरुआत विशाखापत्तनम के रामकृष्ण बीच से प्रसारित प्रधानमंत्री के भाषण से हुई। प्रधानमंत्री के भाषण ने समग्र स्वास्थ्य के लिए दैनिक जीवन में योग को शामिल करने के महत्व पर जोर देकर दिन के कार्यक्रमों की दिशा तय की। महाप्रबंधक चंद्र वीरा रमन, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुजा महमूद, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त सचिव एवं कर्मचारी परिषद के सदस्य, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। श्री विज्ञान योग केंद्र की अनुभवी योग प्रशिक्षक रश्मि और अश्विनी ने कई आसन प्रस्तुत किए और उनके शारीरिक और मानसिक लाभों के बारे में बताया। उन्होंने जीवन में संतुलन और सामंजस्य प्राप्त करने के लिए नियमित योग अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला।

हुब्बल्ली के गदग रोड स्थित दक्षिण रेलवे के मुख्यालय में संस्थान ने बड़े उत्साह के साथ शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक और राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक विजेता उषा मोद ने सत्र का नेतृत्व किया, जिसमें उन्होंने विभिन्न आसन (शारीरिक मुद्राएं) किए। कार्यक्रम में दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर, अतिरिक्त महाप्रबंधक के.एस. जैन, विभिन्न विभागों के प्रमुख प्रमुख, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, दक्षिण पश्चिम रेलवे महिला एवं बाल विकास संगठन के सदस्य, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्य और कर्मचारियों ने भी योग और प्राणायाम सत्र में भाग लिया। माथुर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए दैनिक जीवन में योग के महत्व पर जोर दिया। साथ ही सभी को योग को अपनी जीवनशैली में शामिल करने की सलाह दी। दपरे के सभी मंडलों में योग दिवस मनाया गया।

हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बल्ली डिवीजन ने शनिवार को रेलवे ऑफिसर्स क्लब में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया। मंडल रेल प्रबंधक बेला मीना और अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (ओपी) टी वी भूषण, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग विशेषज्ञ श्रीमती श्वेता ढोलकिया के मार्गदर्शन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एयरफोर्स टेक्निकल कॉलेज में चलता योगाभ्यास

बेंगलूरु के बनासवाड़ी स्थित सैन्य छावनी में गोरखा उभयचरों ने योगाभ्यास किया

बेंगलूरु के यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाने में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया।

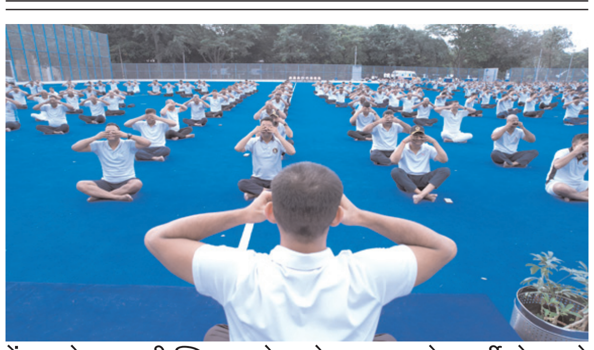
बेंगलूरु के जालहल्ली स्थित वायुसेना स्टेशन पर वायुसेना कर्मी योग करते हुए

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा एवं अन्य योगाभ्यास करते हुए।

हुब्बल्ली के गदग रोड स्थित दक्षिण रेलवे के मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस।

हुब्बल्ली में दपरे के हुब्बल्ली डिवीजन ने शनिवार को रेलवे ऑफिसर्स क्लब में चलता एक विशेष योग सत्र।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं आंतरिक शांति और सामूहिक कल्याण का मार्ग भी : कुमारस्वामी

सेलम/चेन्नई । केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह आंतरिक शांति, मानसिक स्पष्टता और सामूहिक कल्याण का एक गहन मार्ग भी है। केंद्रीय मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सेलम टाउनशिप के हिल व्यू स्टेडियम में सेलम स्टील प्लांट के सैकड़ों कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ योग किया।

केन्द्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग एक ग्लोबल मूवमेंट बन गया है, जो स्वास्थ्य और ध्यान के माध्यम से मानवता को एकजुट कर रहा है।

उन्होंने कहा, मैं सेल और इस्पात मंत्रालय की टीम की सराहना करता हूं, जिन्होंने परंपरा को औद्योगिक अनुशासन के साथ जोड़कर एक बार फिर साबित कर दिया है कि स्वस्थ मन और शरीर राष्ट्रीय उत्पादकता और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमें एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक सामंजस्यपूर्ण भारत के लिए हर दिन इस भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। सेल की इकाई सेलम स्टील प्लांट के दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने यहां जिस तरह की तकनीकी दक्षता और अनुशासन देखा है, वह सराहनीय है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह प्लांट मेक इन इंडिया की सच्ची भावना को दर्शाता है। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यापक दृष्टिकोण के तहत हुआ, जिसके तहत भारत को स्टील उत्पादन में ग्लोबल लीडर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका लक्ष्य 2030 तक 300 मिलियन टन (एमटी) स्टील उत्पादन, 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करना और 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: 04-XEN-WS-UBLS-ZONAL/25-26 दिनांक: 17.06.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
केरियेज मरम्मत कार्यशाला, हुबली - 580 020 पर 12 महीने की अवधि के लिए, अर्थात् 01.07.2025 से 30.06.2026 तक कार्यों का निष्पादन तथा सामग्रियों का आपूर्ती के लिए प्रांतीय निविदाएं।	रु. 2,00,00,000/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 15.07.2025, 11:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ सहायक विभागीय इंजीनियर/केरियेज मरम्मत कार्यशाला/हुबली
PUB/212/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: 14 UBL 2025-26 दिनांक: 13.06.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: एसएसई/पी.वे/कोट्टूरु विभाग में ट्रैक के लिए वार्षिक रखरखाव।	रु. 2,33,13,216.00
2	हुबली विभाग: एसएसई/पी.वे/होसपेटे (बीएल) विभाग में ट्रैक के लिए वार्षिक रखरखाव।	रु. 2,73,72,771.00
3	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/बल्लारी विभाग: होसपेटे (सहित) से हद्दिनगुंडु (रहित), तोरणगल्लू (सहित) से रंजीतपुर (सहित), बल्लारी (सहित) से रायदुर्गा (सहित) से कदरिदेवरपल्ली (सहित) (क्षेत्र-1)	रु. 28,44,000.00
4	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/गदग विभाग: गदग (सहित) से होसपेटे (रहित), होसपेटे (रहित) से कोट्टूर (सहित), व्यासा कालोनी (सहित) से स्वामीहल्ली (सहित), गिनिगेरा (सहित) से करटगी (सहित) (क्षेत्र-2)	रु. 24,49,000.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.07.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय हुबली
PUB/203/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | @SWRRLY | SWRRLY

मोदी के प्रयासों से योग को मिली वैश्विक लोकप्रियता : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने योग को विश्व पटल पर पहुंचाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताते हुए कहा है कि उनके प्रयासों से योग को वैश्विक लोकप्रियता प्राप्त हुई है और उनकी पहल पर योग दिवस वैश्विक पर्व बन गया। शर्मा ने शनिवार को ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जैसलमेर के खुड़ी के रेतीले धोरों पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में योगाभ्यास किया और इस मौके आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने मोदी द्वारा विशाखापटनम से दिए गए संबोधन का श्रवण भी किया।

उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मोदी ने वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग के बारे में उल्लेखित किया था। प्रधानमंत्री का मानना है कि योग बीमारी से तंदुरूस्ती की ओर तथा 'मैं से हम' की ओर की यात्रा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी के विश्व को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आरंभ करने के आह्वान को व्यापक समर्थन मिला और संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की और मोदी के प्रयासों से योग दिवस एक वैश्विक पर्व बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में योग के साथ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को भी दुनियाभर में पहुंचाया जा रहा है। उनकी दृढ़ संकल्प शक्ति एवं साधना से अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर का कायाकल्प, उज्जैन के महाकाल महालोक का निर्माण, चारधाम परियोजना के साथ ही केदारनाथ-बद्रीनाथ जैसे तीर्थस्थलों को नया स्वरूप प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मोदी से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार भी जैसलमेर के तनोट माता मंदिर और रामदेवरा मंदिर सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों को विकसित करने के लिए करीब सौ करोड़ रुपये के विकास कार्य करवा रही है।

शर्मा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत आध्यात्मिक उत्थान से लेकर प्रमुख आर्थिक एवं सैन्य ताकत के रूप में उभरा है। देश की सैन्य ताकत की बानगी हाल में दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर में देखी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को कड़ा संदेश देने के लिए भारत ने सिंधु जल समझौता स्थगित किया और अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सिंधु का पानी हमारे प्रदेश को मिलेगा। पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोककर सिंधु-चिनाब का पानी राजस्थान लाने की योजना पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की धरा को जल संपन्न बनाने और हरा-भरा बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा गत पांच से बीस जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान चलाया गया। इसके तहत आमजन को जल और पर्यावरण संरक्षण की परंपराओं और संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रदेश में जल स्रोतों, नदियों, जलधाराओं और तालाबों पर जल पूजन, कलश यात्रा, जन जागरूकता, स्वच्छता अभियान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमने गत वर्ष सात करोड़ से अधिक पौधे लगाए तथा इस वर्षा काल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के साथ ही जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में भागीदार बनना चाहिए। शर्मा ने कहा कि जैसलमेर की गौरवशाली धरती भारत की सैन्य शक्ति को नई ऊर्जा देने वाली भूमि है। यह धरती भारत की परमाणु शक्ति का गौरव स्थल है। हमारी सरकार ने जैसलमेर के विकास को प्राथमिकता देते हुए पिछले दो बजट में 1700 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की है। इसमें 70 करोड़ रुपये की लागत से पूनम स्टेडियम में भूमिगत पार्किंग, किला पार्किंग तक हेरिटेज वॉक-वे एवं सौंदर्यीकरण के कार्य, जैसलमेर में रिंग रोड का निर्माण कार्य करवाया जाएगा।

साथ ही 250 करोड़ रुपये से इंदिरा गांधी मुख्य नहर की सागरमल गोपा शाखा, शहीद बीरबल शाखा तथा बाबा रामदेव उपशाखा की खालों की मरम्मत, कवरिंग व पक्का करवाने हेतु डीपीआर के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। शर्मा ने प्रदेशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' से व्यक्ति की सेहत और पर्यावरण की सेहत के बीच गहरे एवं मजबूत संबंध का संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि यह मानव एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य का मूर्तरूप है तथा स्वास्थ्य व कल्याण का समग्र दृष्टिकोण है। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार व्यक्ति एवं पर्यावरण की सेहत के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इसके परिणामस्वरूप योग संगम कार्यक्रम के लिए राजस्थान लगभग 2 लाख 25 हजार पंजीकरणों के साथ देशभर में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि योग भारतीय सभ्यता की विश्व को देन है। योग शारीरिक व्यायाम के साथ शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा को जोड़ने की समग्र जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग आत्मा का ईश्वर से, मन का शांति से तथा शक्ति का ऊर्जा से मिलन है। योग केवल एक मेडिटेशन नहीं बल्कि सभी शारीरिक समस्याओं का मेडिकेशन है। इसमें परम्परा, आधुनिकता, विरासत और विज्ञान का संगम है। उन्होंने कहा कि योग तनाव, प्रदूषण और अनियमित जीवनशैली की चुनौतियों से स्वस्थ जीवन के मार्ग पर ले जा सकता है। योग मन एवं शरीर, विचार एवं कर्म, संयम एवं उपलब्धि की एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा रहा है। श्रुतियों में भगवान शिव को योग विद्या का आदिगुरु माना गया है। प्राचीन भारत में योग के अस्तित्व के प्रमाण भी मिलते हैं जिसमें योग मुद्रा में अनेक आकृतियां एवं अवशेष मिले हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि पतंजलि समेत अनेक ऋषियों और योग आचार्यों ने योग अभ्यासों एवं यौगिक साहित्य के माध्यम से इसे ज्ञान परंपरा के रूप में स्थापित किया।

वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर से पूरे देश को किया गौरवान्वित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अड़िग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं।

शर्मा शनिवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रदेश के अंतराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा हमारी सेना को सशक्त बनाया गया है। वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण की योजनाओं, सीमाओं की बढ़ती सुरक्षा से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा एवं दुनिया भर में देश का बढ़ता हुआ सम्मान के रूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विकास और विरासत के विजन को साथ लेकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा। तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट पहुंचे। इस दौरान शर्मा ने 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने इस फोर्ट के इतिहास एवं सामरिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मां तनोट राय के दर्शन कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजय स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बीएसएफ के जवान उपस्थित रहे।

योग बने व्यक्ति की जीवन शैली : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने योग के व्यक्ति की जीवन शैली बनने की जरुरत बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरी दुनिया इस भारतीय ऋषि परंपरा को सम्मानपूर्वक अपना रही है। श्रीमती दीयाकुमारी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जयपुर के ऐतिहासिक सिटी पैलेस में आयोजित योग शिविर में भाग लेते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा योग हमारे जीवन का अहम हिस्सा था लेकिन समय के साथ हम पश्चिमी संस्कृति की ओर झुकते जा रहे थे। मोदी के मार्गदर्शन में जब से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई, तब से यह एक विश्वव्यापी आंदोलन बन चुका है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल एक दिन का आयोजन नहीं होना चाहिए बल्कि जीवन शैली का हिस्सा बनना चाहिए। इससे न केवल शरीर बल्कि मानसिक रूप से भी हम स्वस्थ रह सकते हैं। आज घर-घर में योग को एक नियमित अभ्यास के रूप में अपनाया जा रहा है। यह हमारे ऋषि-मुनियों की देन है, जिसे अब पूरे विश्व ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि योग दिवस पर राजस्थान के धार्मिक, ऐतिहासिक और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष आयोजन किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी, स्वयंसेवी संगठन,अधिकारी और आमजन भाग ले रहे हैं।

उन्होंने वस्त्र मंत्रालय और आयुष मंत्रालय द्वारा किए जा रहे इस वृहद आयोजन की भी सराहना की।

इस अवसर पर आयोजित योग शिविर में भिन्न-भिन्न आसनों का अभ्यास, प्राणायाम और ध्यान सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग प्रशिक्षकों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया।

इस मौके पर मोदी के योग पर संबोधन को भी सुना। उन्होंने कहा कि योग को केवल उत्सव के रूप में न लें बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन में उतारें, तभी इसका वास्तविक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस मौके पर श्रीमती दिया कुमारी ने योग के संकल्प पत्र पढ़कर सभी को योग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

तन के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ बनाता है योग : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर कहा कि योगाभ्यास तन के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ बनाता है।

लखनऊ समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल राजभवन में हुए कार्यक्रम में शामिल हुईं जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गाजियाबाद और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ में योग दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों ने विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में योगाभ्यास किया। राज्य में निर्धारित स्थानों पर सुबह छह बजे से विशेष योगाभ्यास सत्र शुरू हो गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में महंत दिग्विजय नाथ स्मृति भवन सभागार में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''योग हम सबके लिए भारत की ऋषि परंपरा का एक ऐसा मंत्र है, जो हमारे तन के साथ साथ मन को भी स्वस्थ बनाता है। योगी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी को बधाई देते हुए कहा, ''भारतीय परंपरा ने प्राचीन काल से ही योग के बारे में हम सबको विस्तृत रूप से अवगत कराया है।'' उन्होंने कहा कि वैसे भी शरीर स्वस्थ होने पर ही धर्म, काम, मोक्ष समेत कोई भी काम किया जा सकता है। योगी ने कहा कि आध्यात्मिक उन्नयन, सांसारिक उत्कर्ष, किसी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य स्वस्थ शरीर के बगैर नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का वह उपहार है, जिसे लोक कल्याण का माध्यम बनाकर भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक लंबी परंपरा है, जिसके अलग अलग आयाम देखने को मिलते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अलग-अलग स्थान पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें लखनऊ में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और जिलों में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री शामिल हो रहे हैं।

युद्ध के लिए तैयार रहने के वास्ते

राजनाथ ने सैनिकों से योग का अभ्यास जारी रखने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधमपुर (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने योग के प्रति सशस्त्र बलों के जवानों के रुझान की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि योगाभ्यास सैनिक को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है और इसका लाभ युद्ध के मैदान में देखा जा सकता है सिंह ने यहां उत्तरी कमान मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास का नेतृत्व किया और 2,500 सैनिकों के साथ विभिन्न आसन किए।

इस कार्यक्रम में थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा भी शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के चुनौतीपूर्ण इलाकों में कई अग्रिम स्थानों पर भी योग सत्र आयोजित किए गए जिसमें सैनिकों ने पूरे जोश और उत्साह से भाग लिया।

रक्षा मंत्री ने योग के प्रति सशस्त्र बलों के जवानों के रुझान की सराहना की और कहा कि इसका उनके अनुशासन और एकाग्रता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सैनिकों को प्रतिदिन योगाभ्यास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, ''योग एक सैनिक को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है और इसका लाभ युद्ध के मैदान में देखा जा सकता है।'' सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने योग को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह अभ्यास स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने योग को आज के युग में लोगों के सामने आने वाली समस्याओं जैसे तनाव, चिंता और अवसाद का सार्वभौमिक समाधान बताया। उन्होंने कहा, ''योग अव्यवस्थित लोगों को स्पष्टता प्रदान करता है। यह एक कला है, एक विज्ञान है, एक दर्शन है और आध्यात्मिकता है। जो लोग अपने दैनिक जीवन में योग का अभ्यास करते हैं, वे अपने शरीर और मन पर नियंत्रण रख पाते हैं। यह हमें प्रतिक्रियाशील नहीं, बल्कि सक्रिय बनाता है।'' 'ऑपरेशन सिंदूर' को उस नियंत्रण का एक शानदार उदाहरण बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अभियान के दौरान संयम, संतुलन और सटीकता का प्रदर्शन किया, जो योग के अभ्यास से प्राप्त उनकी आंतरिक शक्ति का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, ''जब राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है तो इस अभ्यास का सही अर्थ याद रखा जाना चाहिए, जो समाज के हर वर्ग को भारत की संस्कृति और आत्मा से जोड़ना है। अगर एक भी वर्ग पीछे छूट गया तो एकता और सुरक्षा का चक्र टूट जाएगा। इसलिए आज हमें सिर्फ शरीर के स्तर पर नहीं बल्कि समाज और विचार के स्तर पर योग करना चाहिए।''

भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्तः अखिलेश

कन्नौज (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि इसके शासन में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं और राज्य में कोई कहीं भी सुरक्षित नहीं है।

अखिलेश यादव अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा और राज्य में कानून व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त बताया। उन्होंने स्थानांतरण और पदस्थापना के नाम पर बसूली का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य के 'टॉप टेन' (शीर्ष दस) माफिया की सूची तो जारी नहीं की है, उसे कम से कम जिले के ही 'टॉप टेन' माफिया की सूची जारी कर देनी चाहिए ताकि पता चल जाये कि कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, वाराणसी, कौशाम्बी, मिर्जापुर और अन्य जिलों के 'टॉप टेन' अपराधी कौन हैं? इससे पहले कन्नौज नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं सपा नेता सुनील कुमार गुप्त 'मुन्ना भैया' के प्रतिष्ठान पहुंचे अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत किया गया। यादव ने आज कन्नौज भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने और उनके 'मर्जर' के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ''बच्चे और बच्चियां दूर के विद्यालयों में कैसे पहुंचेंगे। सरकार के पास बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए आवागमन के क्या साधन हैं। जब स्कूल खोले गये थे, तब उद्देश्य था कि गरीब परिवारों के बच्चे आसानी से स्कूल पहुंच जायें। सबको शिक्षा मिले। इसीलिए 'मिड-डे-मील' (मध्याह्न भोजन) योजना शुरू की गयी थी।'' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार षड्यंत्र के तहत विद्यालयों को बंद करना चाहती है।

बिहार सरकार ने वृद्धावस्था, विधवा पेंशन में 700 रुपए प्रति माह की बढ़ोतरी की

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगों की पेंशन में 700 रुपए प्रति माह की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि जुलाई से लाभार्थियों को 1,100 रुपए की बढ़ी हुई पेंशन मिलेगी। कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को अब हर महीने 400 रुपए की जगह 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। उन्होंने लिखा, सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, सरकार के इस निर्णय से लाभार्थियों को मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें, जो सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

योग शरीर और मन को ऊर्जा देता है : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि योग आज दुनिया भर में करोड़ों लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है, क्योंकि यह शरीर और मन दोनों को ऊर्जा प्रदान करता है और जीवन में नई चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ओम बिरला ने संसद भवन परिसर में लोकसभा सांसदों और सचिवालय के अधिकारियों के साथ योगासन किए।

इस अवसर पर लोकसभा सदस्य पी. पी. चौधरी और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बिरला ने कहा, दुनिया भर में लोग योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। वे इसके महत्व को स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन लाने का एक माध्यम है जो मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास के लिए आवश्यक है।

बिरला ने कहा, यह अभ्यास व्यक्ति को दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए ऊर्जा और आत्मबल देता है। योग समग्र विकास के लिए जरूरी है। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है।. उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है।

मोदी के नेतृत्व में हो रहे बदलाव नजर आ रहे

राहुल देश की प्रगति को कमतर आंकने में व्यस्त : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे बदलाव कांग्रेस नेता को नहीं दिख रहे क्योंकि वह ''भारत की प्रगति को कमतर आंकने'' में व्यस्त हैं। भाजपा का यह बयान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर प्रहार करने के बाद आया है।

कांग्रेस नेता ने कहा था कि उन्हें (मोदी को) ''नारे देने की कला'' में महारत हासिल है, लेकिन कोई समाधान नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि 'मेक इन इंडिया' पहल के बावजूद भारत में विनिर्माण रिकॉर्ड निम्न स्तर पर है। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, ''राहुल जी, भारत में हर कोई परिवर्तन देख सकता है, सिवाय आपके। शायद इसलिए कि आप भारत की प्रगति को कमतर आंकने में इतने व्यस्त हैं कि आपको इस बारे में पता ही नहीं है।'' 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की विनिर्माण क्षमता का नवीनतम और ''ऐतिहासिक उदाहरण'' है, जहां भारत के स्वदेश विकसित ड्रोन ने चीनी ड्रोन को नष्ट कर दिया। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत हुई प्रगति को दर्शाने वाले विभिन्न आंकड़ों का हवाला देते हुए, भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी के विमर्श ''पुराने, गलत सूचना वाले और वास्तविकता से दूर हैं।''

ओडिशाः स्वर्णरिखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50,000 लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में स्वर्णरिखा नदी में आई अचानक बाढ़ के कारण 50,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह बाढ़ पड़ोसी राज्य झारखंड में भारी बारिश के बाद नदी में जलस्तर अचानक बढ़ने से आई है, जिससे पानी ग्रामीण इलाकों में घुस गया। अधिकारी ने बताया कि भोगराई, बलियापाल, बस्ता और जलेश्वर अधिसूचित क्षेत्र परिषद (एनएसी) के तीन प्रखंडों के 17 ग्राम पंचायत क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य के लिए तैयार है।

अधिकारी ने कहा कि निचले और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को सतर्क रहने और स्थिति बिगड़ने पर पास के शरण स्थलों में जाने के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है। जिला कलेक्टर सूर्यवंशी मयूर विकास ने सभी ब्लॉक विकास अधिकारियों (बीडीओ) और तहसीलदारों को जरुरत पड़ने पर लोगों को संभावित बाढ़ ग्रस्त इलाके से निकालने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

मौलाना ने इस्लाम में सूर्य नमस्कार को हराम बताया

मंत्री बोले- छोटी मानसिकता वाली बात

बरेली/संभल (उप्र)/भाषा। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने शनिवार को कहा कि सूर्य नमस्कार एक तरह से सनातन धर्म, यानी हिंदुओं का तरीका है, जो इस्लाम के हिसाब से हराम है। वहीं उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने रजवी पर पलटवार करते हुए कहा कि इससे अधिक छोटी मानसिकता वाली कोई बात नहीं हो सकती।

इस बीच संभल से मिली खबर के मुताबिक योग दिवस पर संभल के विभिन्न मदरसों में भी योग किया गया, जिसमें मुस्लिम छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। योग में शामिल एक अतिथि ने कहा कि इस्लाम में योग से कोई परहेज नहीं है। शनिवार सुबह दरगाह आला हजरत में स्थित ग्रांड मुफ्त हाउस में योग करने के बाद रजवी ने कहा, ''मैंने योग का समर्थन किया है, लेकिन सूर्य नमस्कार का विरोध किया है। सूर्य नमस्कार मुसलमान नहीं कर सकता।'' मौलाना ने कहा, ''हर औरत और आदमी को योग करना चाहिए। मदरसों और मस्जिदों में भी योगा होना चाहिए। मगर सूर्य नमस्कार, सूरज को देखकर सूरज को पूजना है। इस्लाम में इन तमाम चीजों की मनाही है। इस्लाम में सूरज को पूजना नाजायज है। इसलिए हमने सभी को सूर्य नमस्कार करने से मना किया है।''

चलती ट्रेन में युवक की पीट-पीटकर हत्या, पांच आरोपी गिरफ्तार

बागपत/भाषा। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में चलती ट्रेन में एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। यह जानकारी पुलिस ने दी।

रेलवे पुलिस उपाधीक्षक श्वेता आशुतोष ने शनिवार को बताया कि रेलवे पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस उपाधीक्षक श्वेता आशुतोष ने बताया कि यह घटना 20 जून को दिल्ली-शामली पैसेंजर ट्रेन (संख्या 74023) में रेलवे हाल्ट फखरपुर और खेकड़ा रेलवे स्टेशन के बीच हुई, जब दीपक नाम के व्यक्ति के साथ कुछ युवकों ने कथित रूप से मारपीट की। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल दीपक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेकड़ा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मेघालय हनीमून हत्या

अदालत ने सोनम और 'प्रेमी' राज को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय के शिलांग की एक अदालत ने इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के सिलसिले में शनिवार को पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी राज को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि दो मुख्य आरोपियों राजा की पत्नी सोनम और राज की पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई और मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने हिरासत बढ़ाने का अनुरोध नहीं किया। सहायक लोक अभियोजक तुषार चंदा ने बताया, आरोपियों को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने हिरासत बढ़ाने का अनुरोध नहीं किया। मेघालय में हनीमून मनाने गये राजा और उनकी पत्नी सोनम सोहरा इलाके से लापता हो गए थे। राजा का क्षत-विक्षत शव दो जून को एक खाई में मिला था।

बिहार के नालंदा जिले में बाढ़ जैसे हालात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के नालंदा जिले के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, क्योंकि पड़ोसी राज्य झारखंड में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश के बाद फल्गू नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से कुछ छोटे बांधों के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''19 जून को फल्गू नदी में जलस्तर में अचानक वृद्धि के कारण अधिकारियों ने उदेरास्थान बैराज (जहानाबाद में) से 73,000 क्यूसेक पानी छोड़ा। बैराज से पानी छोड़े जाने से कुछ छोटे बांधों के हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे नालंदा जिले के हिलसा, कराईपरसुराय और एकंगरसराय के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।'' संबंधित अधिकारी प्रभावित लोगों को भोजन के पैकेट और पीने के पानी सहित राहत सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। प्रभावित व्यक्तियों के लिए अस्थायी टेंट लगाए गए हैं। राहत और बचाव कार्यों के लिए इलाके में एनडीआरएफ की दो टीम तैनात की गई हैं।

सर्वाधिक टेस्ट शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर बने ऋषभ पंत, महेंद्र सिंह धोनी को पछाड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को कैरियर का सातवां टेस्ट शतक लगाकर महेंद्र सिंह धोनी को पछाड़ा । इस उपलब्धि के लिए महान बल्लेबाजों सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर ने पंत की सराहना की।

पंत ने भारतीय पारी के सौवें ओवर की पहली गेंद पर शोएब बशीर को छक्का लगाकर इस आंकड़े को छुआ । यह सितंबर 2024 के बाद उनका पहला शतक है जब उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 109 रन बनाये थे। धोनी ने 90 टेस्ट में 4876 रन बनाये जिसमें छह शतक और 33 अर्धशतक शामिल हैं । पंत ने इस पारी के साथ ही 3000 टेस्ट रन भी पूरे किये । वह 44 टेस्ट में करीब 44 की औसत से 15 अर्धशतक भी लगा चुके हैं । इस सूची में तीसरा नाम रिधिमान साहा का है जिन्होंने दो शतक लगाये हैं। सैयद किरमानी और फारूख इंजीनियर ने भी दो दो टेस्ट शतक लगाये हैं जबकि नयन मोंगिया के नाम एक टेस्ट शतक है । पंत के प्रयास की तेंदुलकर ने सराहना की और उनके पैडल स्वीप खेलने को समझदारी भरा कदम बताया।

तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, ''ऋषभ अचानक पैडल स्वीप नहीं खेलने लगा। उसने यह जानबूझकर किया और काफी चतुराई भरा कदम था। इससे वह गेंद के नीचे आया गया और इसे नियंत्रण के साथ लेग स्लिप के ऊपर से स्कूप कर पाया।''

तेंदुलकर ने चौथे विकेट की 209 रन की साझेदारी के दौरान पंत और गिल द्वारा बशीर के खिलाफ अपनाई गई मनोवैज्ञानिक रणनीति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''बशीर के स्पेल के दौरान एक और दिलचस्प बात देखने को मिली। शुभमन और ऋषभ गेंदों के बीच में जोर-जोर से हिंदी बोल रहे थे।''

सचिन तेंदुलकर ने कहा, ''यह सिर्फ सामान्य बातचीत नहीं थी। वे गेंदबाज के साथ दिमागी खेल खेल रहे थे, उसकी लय को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे। ये छोटी-छोटी बातें स्कोरबोर्ड पर नहीं दिख सकती लेकिन इनका खेल पर काफी असर हो सकता है।''

सुविचार

कृष्ण और राधा के बीच का फासला बस उतना ही था जितना धरती और आकाश के बीच होता है, अर्थात्, अदृश्य, लेकिन मौजूद।

ट्वीट

पूरा विश्व 21 जून को एक साथ योग कर रहा है। योग का सीधा-सादा अर्थ होता है – जुड़ना! ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरे विश्व को जोड़ा है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी योगशास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिटी पैलेस में केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय एवं राजस्थान सरकार के आयुष विभाग द्वारा आयोजित योग शिविर में भाग लेकर सभी गणमान्यजन के साथ योग किया।

-दीया कुमारी

कहानी

रजनी मोरवाल

कसूर किसका?

अब तुम बड़ी हो गई हो, दुपट्टा ओढ़ लिया करो, इतनी जोर से क्यों हँसती हो? सब पलट कर देखने लगते हैं, बातें करते समय हाथ ना नचाया करो, भला अच्छे घरों की लड़कियों को ये सब शोभा देता है? शाम को अँधेरा होने से पहले-पहल घर आ जाया करो, याद रखो नजरें हमेशा ही नीची रहें वर्ना... हाँ-हाँ, मैं अभ्यस्त हो चुकी हूँ इन सब हिदायतों की, अब तो यह लगता है कि अगर इन साँकलों से मुझे आजाद कर भी दोगे, तब भी मैं जी नहीं पाऊँगी। क्योंकि मेरा वजूद तो तुमने कभी पनपने ही नहीं दिया।

मैं सदियों से इस जकड़न की आदी हो चुकी हूँ और जाने-अनजाने, मैंने इसे ही अपना ढाल बना लिया है या यूँ समझ लो कि घर की चार दिवारी से बाहर निकलने का यही एकमात्र उपाय था मेरे पास।

किंतु एक बात मैं समझ नहीं पाती, न मैं जोर से हँसती हूँ, न हाथ नचाकर बातें ही करती हूँ फिर भी लोग क्यों मुझे देखते हैं? ढलता हुआ सूरज तो हमेशा मुझे घर के आँगन में ही बैठकर देखना भाता है और तो और दुपट्टा तो बचपन ही से मुझसे लिपट गया था जब इसकी जरूरत भी मेरे तन को महसूस नहीं होती थी। फिर क्यों मौका देखते ही मुझे मसोस दिया जाता है? आए दिन सारे अखबार बलात्कार और कत्ल की घटनाओं से लथपथ रहते हैं।

आखिरकार आज बता ही दो, छह माह की मासूम बच्ची को दुपट्टे की क्या जरूरत है? और तो और अस्सी बरस की महिला के दुपट्टे के भीतर क्या तलाशते हो तुम? क्यों ना कुछेक नियम तुम अपने लिए भी बना लो? कम से कम अपनी आँख में शर्म का पानी ही बचाकर रख लो, जिससे तुम्हें शायद यह याद रह सके कि मैं माँ, बहन और बेटी हूँ उफ्फ... सब भूल जाते हो तुम...।

क्या इस समाज में औरतों को जीने का हक नहीं है? उस लड़की का क्या कसूर था जिसके भीतर पाँच मीटर की रॉड घुसा दी गई? आखिर उस दस माह की बच्ची का क्या कसूर था जिसके अंगों को लोहे के स्केल से छलनी कर दिया गया? कहिए किसका? मैं आप से पूछती हूँ, आप से... आप से... आप से...! अगर इनमें से कोई आप की बेटी होती तब भी क्या आप इसी तरह टी.वी. के सामने मौन बैठे होते? क्या तब भी आप इस घटना को सिर्फ एक खबर की तरह देख रहे होते? उस लड़की का सोचिए जो अब सारी जिंदगी माँ नहीं बन पाएगी... अव्वल तो वह जीवित ही नहीं बच पाएगी अगर बच भी गई तो सारी जिंदगी अस्पतालों के चक्कर काट-काट कर दम तोड़ देगी। तो रहिए न बेखबर और आवाज उठाइए... नीतू ने घबरा कर हथेलियों से अपने दोनों कानों को बंद कर लिया और हिलक-हिलक कर रोने लगी। पूरे कमरे में टी.वी. एंकर की जोशीली ललकार गूँज रही थी।

अचानक किसी काम से विक्रम का आना उस कमरे में हुआ, उसने नीतू को इस हालत में देखा तो घबरा गया। सबसे पहले उसने रीमोट कंट्रोल ढूँढ़कर टी.वी. का वॉल्यूम धीमे किया फिर बिलखती हुई नीतू को आगोश में लेकर ढाँढ़स बँधाने लगा। नीतू कमजोर मन की है यह बात उसे पहले से ही ज्ञात थी, सिनेमा देखते हुए भी किसी इमोशनल सीन पर अक्सर नीतू सुबकने लगती है। विक्रम ने नीतू को चुप कराते हुए कहा कि इस तरह की खबरें वह न देखा करे।

वह नीतू को सांत्वना देने लगा कि देश में होने वाली इस तरह की घटनाओं से हर भारतीय का दिल दहल जाता है, हम सब कहीं न कहीं अपने आप को जिम्मेदार मानने लगते हैं। सबसे ज्यादा तो मन तब द्रवित होता है जब इस लचर कानून व्यवस्था के आगे कुछ न कर पाने की मजबूरी हमको सालती है। हर नागरिक देश की इस बिगड़ती छवि से परेशान है... हर व्यक्ति इंडिया-गेट पर कैंडल-मार्च में हिस्सा लेकर अपने आप को इस मुहीम का हिस्सा समझने लगता है।

खून तो हर नागरिक का खौलता है। कुछ लोग अपने एहसास जज्ब कर लेते हैं तो कुछ नीतू की तरह रिएक्ट करते हैं। विक्रम के सीने से लगी नीतू काफी देर बाद अपने आपे में लौटी। पिछले चार बरसों से नीतू और विक्रम अलग-अलग राज्यों में अप-डाउन कर रहे हैं।

मुंबई विक्रम का ठिकाना बना हुआ है तो नीतू बच्चों की पढ़ाई की खातिर दिल्ली में डेरा जमाकर बैठी है। विक्रम पूरा दिन ऑफिस में रहता है तो उसकी अनुपस्थिति में इन दिनों नीतू उस घर में अकेली रह जाती है। अभी एक सप्ताह ही तो हुआ है उसे मुंबई आए हुए। कहीं घूमना भी नहीं हो पाया था कि बलात्कार की इस निर्मम घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया। अंतर्मन को हिला देने वाली इस त्रासदी को मीडिया की इतनी कवरेज मिली कि संसद तक में सरकार को सवाल-जवाब का सामना करना पड़ रहा था। इस खबर ने पूरे देश को एक सूत्र में बाँध दिया था, जागृति की लहर पूरे देश में दौड़ गई थी।

पुराने समय में भी ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती रही होंगी किंतु आम जनता तक इसकी प्रतिक्रिया कहाँ पहुँच पाती थी। दैनिक अखबारों में कहीं छोटा-सा कॉलम भर दिया होता था, अखबार की पहुँच भी तब कितने घरों तक होती थी। आज के इस इलेक्ट्रॉनिक युग में इन चैनलों ने उत्पात मचा रखा है। सबसे तेज... आज तक... अभी-अभी... एक्सक्लुसिव रिपोर्ट के नाम पर घर-घर में हड़कंप मचा रखा है। चैनलों में आपसी होड़ के चलते बस अपनी टी.आर.पी. बढ़ाने की पड़ी रहती है। कौन, कहाँ से और कैसे इन खबरों की कवरेज कर रहा है इसका लेखा-जोखा कौन रखे? सच्चाई दिखाने की मारामारी की एवज में क्रूरता व अश्लीलता का मापदंड भला कौन तय करे? जिस पर बीतती है वह व्यक्ति तो शर्मिंदा होता ही है पीड़ित को तो पग-पग पर समाज की प्रश्नवाचक दृष्टि का सामना करना ही पड़ता है परंतु घरों में बैठकर खबरें देखने-सुनने वाले भी द्रवित हुए बिना नहीं रह पाते।

नीतू एक भावुक स्त्री ठहरी उस पर भी एक माँ, वह भी एक जवान लड़की की। ऐसी भयानक खबरों से उसका दिल दहल उठता है, अपनी बेटी की सुरक्षा के प्रति उसका यूँ चिंतित हो उठना स्वाभाविक है। जब इस तरह के घृणित अपराधों के बाद टी.वी. पर बहसों का दौर चलता है तो कहीं कोई बाबा आकर कहता है कि बलात्कार से बचने के लिए उस पीड़ित लड़की को अपने बचाव में उन बलात्कारियों से हाथ जोड़कर ये कहना चाहिए था कि भैया मुझे छोड़ दो... और इस तरह वह अपनी लाज बचा सकती थी साथ ही उन लड़कों को भी अपराधी बनने से रोक सकती थी। हर कदम पर जिम्मेदारी सिर्फ स्त्री की ही है? नीतू गुस्से से लाल-पीली हो उठती है।

कहीं कोई समाज का ठेकेदार आकर कहता है कि लड़कियों को अपने वस्त्रों का चुनाव ठीक से करना चाहिए, आधुनिक वस्त्र लड़कों को आमंत्रित करते हैं। नीतू सोच में पड़ जाती है कि वह तो साड़ी पहन कर ऑफिस जाती है फिर भी उसे गाहे-बगाहे सहकर्मियों की नजरें यहाँ-वहाँ से शरीर को परखती दिख ही जाती हैं। अब इन बाबाओं, समाज के ठेकेदारों और स्वयंभू मसीहाओं को कौन समझाएँ कि कालिख तो देखने वालों की आँखों में पड़ी है, उसे साफ करने की जरूरत है। संस्कारों पर आ पड़ी धूल पोंछने की जरूरत है, समाज की भलाई चाहते हो तो बेहतर रहेगा जो तुम लोग मिलकर अंतर्मन की गंदगी हटाने का प्रयास करो।

विक्रम हमेशा नीतू से इसी बहस में उलझता रहता है कि वह अखबार या टी.वी में सिर्फ मार्मिक खबरों पर ही नजर रखती है। नीतू का कहना है कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते उनका फर्ज बनता है कि वह अगर कुछ कर न पाएँ तो कम से कम उन्हें अपने विचारों में सजगता तो बनाए रखनी चाहिए।

कल ही की बात है बंगाल में एक सत्तर वर्षीय नन के साथ कुकर्म की खबर थी और गुजरात में एक छह वर्षीय बच्ची को बुरी तरह से जख्मी कर दिया गया था। कैसे संभव है कि नीतू रिएक्ट भी न करे? ऐसे अधिकतर मौकों पर विक्रम को ही चुप्पी साधनी पड़ती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं से वह खुद भी अपनी अंतरात्मा को अक्सर घायल पाता है। नीतू को इस मन:स्थिति से निकालने के लिए विक्रम ने रविवार को सारा दिन उसके साथ घूमने का प्लान बनाया। नीतू कई दिनों से एलिफेंटा केव्स देखना चाह रही थी। उस रोज छुट्टी होने की वजह से भीड़ कुछ ज्यादा ही थी। मुंबई में पर्यटकों की इतनी अधिक तादाद रहती है कि रेलवे स्टेशन, बाजार, बीच, गार्डन्स या फिर कोई मॉल हर तरफ लोगों का एक रेला-सा चलता रहता है। नीतू अपने-आप को इस भीड़ में पिछड़ता हुआ महसूस करती है। यहाँ हर कोई उसे दौड़ता हुआ प्रतीत होता है, इस तरह की आपाधापी जीवन से ही आगे निकल जाने की है? सबसे आगे निकल जाने की है? या खुद से आगे निकल जाने की? ...जिंदगी से कदमताल मिले न मिले हर कोई बस वक्त से आगे निकल जाने की होड़ में दिखाई देता है।

विक्रम को तो अब इस मुंबई लाइफ की आदत हो चली है। रोज ऑफिस आते-जाते समय उसे भी तो इसी भीड़ का हिस्सा बनना पड़ता है। तभी तो एक धक्के के साथ वह नीतू का हाथ पकड़कर फेरी-बोट में चढ़ आया, नीतू तो अपनी साड़ी सँभालते-सँभालते उसके पीछे किसी तरह बस घिसटती चली आई थी। लगभग आधा घंटे के सफर के दौरान वे दोनों लहरों की तरंगें और बोट पर मँडराते पंछियों के कलरव का आनंद उठाते रहे। बोट के बाद टॉय-ट्रेन की सवारी से एलिफेंटा केव्स तक केवल पंद्रह मिनट ही लगते हैं। इस भयंकर गरमी में भी लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बंदरों को कोल्ड्रिंक पीते देख वक्त के बदलने का आभास होता है किंतु मनुष्यों में अब भी अपने इन पूर्वजों की कई आदतें बाकी बची दिखाई देती है जब वे नियमों को तोड़ कर इस एतिहासिक धरोहरों में यहाँ-वहाँ मूतते-थूकते दिखाई देते हैं। विक्रम और नीतू थककर एक जगह विश्राम करने बैठ जाते है। लड़कियों की कई टोलियाँ आई हुई हैं, कुछ लड़कियाँ मूर्तियों के साथ उन्हीं की तरह से पोज बनाकर फोटो खिंचवा रही है तो कुछ पाउट बनाकर सेल्फी ले रही हैं। विक्रम व नीतू उन्हें देखकर मुस्कुरा उठते हैं। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी ये लड़कियाँ जैसे कोई तितलियाँ हों जो अपने रंगीन पंख फैलाए इन हवाओं पर सवार होकर यहाँ आ पहुँची थी। चहक-चहक कर सारा वातावरण खुशनुमा बना रही थीं, उनकी खिलखिलाहट सुनकर तो लग रहा था जैसे इन गुफाओं में सदियों से मौन खड़ी ये मूर्तियाँ भी बोल पड़ेंगी...। कुछ हैट खरीद रहीं थीं, कुछ चाट खा रही थीं, तो कुछ खुलकर ठहाके लगा रही थीं। अपने अलमस्त अंदाज से सबको अपने साथ हँसने-मुस्कुराने के लिए मजबूर करती-सी ये लड़कियाँ, संसार से अलहदा अपनी ही दुनिया में खुश व मग्न थीं।

कुछ दीवाने लड़कों की टोलियाँ भी थीं जो हर जगह इन लड़कियों का पीछा करती फिर रही थीं। उन लड़कों का गुफा-भ्रमण इन लड़कियों की उपस्थिति से सार्थक हो उठा था उनका रविवार सफल सिद्ध हो रहा था... उन्हें न तो किसी मूर्ति पर अंकित उनके निर्माण काल से मतलब था न इतिहास से गुजरकर वर्तमान तक आते-आते के उनके इस बिगड़े स्वरूप पर ही कोई रंज। अगली गुफा की ओर जाने के लिए विक्रम की बाँहों का सहारा लेकर खड़ी होते हुए नीतू बड़बड़ा उठती है पुरुष न जाने कब अपने वजूद को एन्जॉय करना सीखेगा?, देखो कितनी सरलता से ये हाईजैक हो जाते हैं। अस्थायी संग-साथ के क्षणिक सुख हेतु ये लड़के किस तरह अपना मानसिक संतुलन खो बैठते हैं, इस उम्र में विपरीत आकर्षण का साथ मिलते ही नसों में उन्माद बहने लगता है... क्षणिक आभासी सुख की लालसा में बहकाव की नदी अपने बाँध तोड़कर बहना चाहती है।

विक्रम पूछता है इसमें किसका कसूर है नीतू? ज्यादातर यह माना जाता है कि पुरुष को उकसाने के पीछे कोई न कोई प्रेरक तत्व निहित होता ही है, लड़कियों का पहनावा, सजना-सँवरना, ये सब अस्थायी आकर्षण की श्रेणी में आतें हैं। नीतू ने एक गहरी साँस खींचते हुए जवाब दिया विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो किशोरावस्था से यौवन में कदम रखने के साथ ही मनुष्य मात्र में यौनाकांक्षा जन्म लेती है जो किसी के द्वारा उकसाए बिना ही स्वयं को संतुष्ट करने के लिए बेचैन रहती है और लड़कियों की अपेक्षा लड़कों में यह भावना बलवती होती है, उनके मन में मुख्य भाव खुद को संतुष्ट करने का होता है, जाहिर है इसके लिए उन्हें एक स्त्री शरीर की दरकार होती है। लड़कियों के कपड़ों पर आक्षेप करना उचित नहीं। आधुनिक लिबास, जिसमें से लड़कियों का शरीर नजर आए, क्षणिक आवेश उत्पन्न जरूर करता है लेकिन पुरुष यौनाकांक्षा को जगाता नहीं हैं क्योंकि वह तो स्वयं जागृत रहती है। जो इच्छा पहले से ही मौजूद हो उसे उत्पन्न कैसे किया जा सकता है?

विक्रम ने नीतू की बातों पर सहमति जताते हुए कहा – हाँ... हाँ... यह तो एक प्राकृतिक भूख है जो पूरी न होने की स्थिति में विकृत होकर कभी-कभी बलात्कार जैसे जघन्य अपराध का कारण भी बन जाती है। नीतू ने अपनी सोच पर एक अंतिम स्टेटमेंट रखते हुए कहा माना कि यह एक प्राकृतिक भूख है लेकिन प्राकृतिक भूख में भी सभ्य लोग सभ्य तरीके से खाना पसंद करते हैं और असभ्य लोग अपना पेट भरने के लिए कहीं भी मुँह मार लेते है। दरअसल हमारे समाज में लड़कियों से ज्यादा लड़कों को सभ्यता के संस्कार मिलने जरूरी हैं सो तो है विक्रम ने कहा और हँसकर पेट पर हाथ फिराता हुआ बोला फिलहाल इस भूख का कुछ करते हैं।

अंतिम फेरी-बोट से पहले अपने साथ लाए पैक्ड-लंच को खाने के बाद विक्रम ने एक लंबी डकार ली और नीतू की ओर कृतज्ञता भरी नजरों से देखा जैसे इस लजीज खाने के बदले अपनी अन्नपूर्णा को मौन धन्यवाद दे रहा हो। वापसी में फेरी के ऊपरी फ्लोर पर बीचो-बीच रखे सोफों में से दो पर उन्हें बैठने का स्थान मिल गया था, बाकी बचे सोफों पर वह पर्यटक लड़कियों की टोली दिन भर की थकन के बाद अधलेटी पड़ी थी।

लहरें दिनभर के उफान के बाद अपनी थकान उतार रही थी, वे अब भी बोट से टकरा तो रहीं थी किंतु जैसे किसी ठहराव के दर पर जाकर रुकने के इंतजार में भटकती हुई इधर-उधर हिचकोले खा रही थी। पक्षियों की कलरव में सुबह वाली चंचलता नदारद थी, उनकी यायावरी में एक सुकून भरे ठिकाने को खोजने की उत्सुकता अधिक नजर आ रही थी। वे सभी अपने पंखों को आराम से फैलाकर सो जाने की चाह में सूरज के छिपने से पहले बोट पर बँधी रस्सियों, टायरों और लोहे के बड़े-बड़े खंभों पर लौटकर पनाह ले रहे थे।

विक्रम ने नीतू के उनींदे चेहरे को देखा जहाँ थकावट के चिह्न स्पष्ट नजर आ रहे थे। वह अपने पास बैठी उस सुबह वाली पर्यटक लड़की को बड़े गौर से देख रही थी जो उस वक्त बरमूडे के बाहर निकली अपनी खुली हुई जाँघों पर सनक्रीम मल रही थी और अपनी सहेलियों को अपने पैरों की सूखी हो आई त्वचा दिखा-दिखा कर हँस रही थी, यूँ लग रहा था जैसे वह कुछ ही दूर बैठे लड़कों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही हो, लड़कों का यही ग्रुप दिन भर इन लड़कियों के इर्द-गिर्द मँडराता रहा था।

उस लड़की की एक सहेली ने इठलाते हुए उससे पुछा डू यू वीअर सच ड्रेसेज एट होम? इस प्रश्न के जवाब में उस बरमूडे वाली लड़की ने बिदक कर कहा था नो वे ...माय फादर वुड किल मी यू नो? एंड इफ माय नानी वुड हेव सीन मी लाइक दिस... वे बेक इन विलेज ...शी वुड डाई ऑफ शॉक। कुछ ही दूर बैठा एक लड़का मोबाइल से उसकी वीडियो रील उतार रहा था। नीतू के इशारे पर उस लड़की ने अपनी जाँघों को ढकने की नाकामयाब कोशिश की, सुबह ही खरीदे गए बाँस के तिनकों से बुना हैट जरा अड़ियल किस्म का निकला उसने लड़की की कोई मदद नहीं की। वह लड़के की तरफ देखकर लापरवाही से मुस्कुरा दी। असफल प्रयास की झिझक मिटाने की गरज से उसने सामने बैठी नीतू पर हू केयर्स वाला अंदाज फेंका। कुछ देर बाद उसने अपने पर्स में से डेरी-मिल्क की सिल्क-बार निकाली, दिन भर की भयंकर गर्मी झेलती उस सिल्क-बार का पसीना भी छूटने लगा था। नीतू को लगा शायद खिसियाहट में भरकर ही उस लड़की ने अपनी सहेलियों से पुछा था... वुड यू लाइक टू लाइक इट? ...और उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना ही वह बड़े मजे से उस पिघलती हुई चाकलेट को नीचे से ऊपर तक चाटने लगी थी। फेरी-बोट के किनारे तक पहुँचते-पहुँचते नीतू यही उत्तर सोच पाई कि समाज रूपी यह भवन अब शायद नींव तक चरमरा कर रह गया है।

किनारे पर पहुँचने से पहले नीतू ने विक्रम की ओर देखा, जहाँ अब भी वही सवाल ताक रहा था कि कसूर किसका है?

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

समन्वय

मेरुदण्ड या रीढ़ की हड्डी, शरीर का केंद्रीय स्तम्भ है। इस स्तम्भ का लचीलापन ही इसकी शक्ति है। शारीरिक के साथ-साथ मानसिक लचीलापन, जीवन को स्वस्थ रखता है। समन्वय जीवन में अनिवार्य है। मानसिक लचीलापन समन्वय का आधार है। परिजनों या परिचितों से थोड़ी-सी मतभिन्नता होने पर अधिकांश लोगों को लगता है कि वे विपरीत वृत्ति के हैं। उनसे समन्वय नहीं सध सकता। साधने के लिए चाहिए साधना। साधना के अभाव में समन्वय तो अस्तित्व ही नहीं पाता। हर साधना की तरह समन्वय भी समर्पण चाहता है, उदारता चाहता है, भिन्न-भिन्न स्वभाव को समान सम्मान देना चाहता है।

दृष्टि निरपेक्ष है तो सृष्टि में हर कहीं समन्वय है। दूर न जाते हुए स्वयं को देखो। शरीर नश्वर है, आत्मा ईश्वर है। एक हर क्षण मृत्यु की ओर बढ़ता है, दूसरा हर क्षण नये अनुभव से निखरता है। फिर आता है वह क्षण, जब शरीर और आत्मा पृथक हो जाते हैं लेकिन नयी काया में फिर साथ आते हैं। देह व देहातीत के समन्वय पर पार्थ का मार्गदर्शन करते हुए पार्थसारथी ने कहा था,

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

आत्मा का किसी भी काल में न जन्म होता है और न ही मृत्यु। यह पूर्व न होकर, पुनः न रहनेवाला भी नहीं है। आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत और पुरातन है, शरीर के नाश होने पर भी इसका नाश नहीं होता।

सांख्ययोग की मीमांसा का यह योगेश्वर उवाच भी देखिए-

अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ताः शरीरिणः।
अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद्युध्यस्व भारत।।

इस नाशरहित, अप्रमेय, नित्य देही आत्मा के ये सब शरीर नाशवान कहे गये हैं। इसलिये हे भारत ! तुम युद्ध करो।

युद्ध का एक अर्थ संघर्ष भी है। संघर्ष अपने आप से, संघर्ष अंतर्निहित समन्वय के दर्शन हेतु।

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही।।

जैसे मनुष्य जीर्ण वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को धारण करता है, वैसे ही देही जीवात्मा द्वारा पुराने शरीरों को त्याग कर दूसरे नये शरीरों को ग्रहण करने की प्रक्रिया होती है। जैसा पहले उल्लेख किया गया है, देह का नाशवान होना, आत्मा का अजन्मा होना, फिर मर्त्यलोक में कुछ समय के लिए दोनों का साथ आना, एक के बिना दूसरे का अस्तित्व ना होना.., समन्वय का ऐसा अनुपम उदाहरण ब्रह्मांड में और कौनसा होगा? सृष्टि समन्वय से जन्मी, समन्वय से चलती, समन्वय पर टिकी है। दृष्टिकोण समन्वित करो, सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वजनीन समन्वय दृष्टिगोचर होगा।

वीर गाथा

मेजर मैनियो फ्रांसिसः ऐसी रणनीति बनाई कि उग्रवादियों को संभलने का मौका नहीं मिला

मेजर मैनियो फ्रांसिस भारतीय सेना की 21 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) के वीर योद्धा हैं, जिन्होंने उग्रवादियों के खिलाफ असाधारण साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया था। माता एच साज़ा सुसान और पिता के पुकेहो के बेटे मैनियो का जन्म मणिपुर के सेनापति जिले में स्थित ताडुबी गांव में हुआ था।

मेजर मैनियो असॉल्ट टीम के कमांडर रहे हैं। उन्होंने बहुत कम समय में ही ऐसा खुफिया नेटवर्क बिछा लिया था, जो मणिपुर में मौजूद उग्रवादियों की सूचना देता रहता था। इसकी वजह से सुरक्षा बलों को उग्रवादियों और उनके संगठनों के बारे में कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएं मिलीं।चार जनवरी, 2023 को खुफिया सूत्रों ने सूचना दी कि कुछ उग्रवादी एक वीआईपी पर हमले की साजिश रच रहे हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद मेजर मैनियो ने एक ऑपरेशन की योजना बनाई। उन्होंने लगातार निगरानी के बाद एक 'सीमा स्तंभ' के पास उग्रवादियों पर हमला करना निश्चित किया। अचानक कुछ लोग दिखाई दिए, जिनके पास भारी हथियार थे। वे उस जगह की ओर बढ़ते जा रहे थे। जवानों ने उन्हें चुनौती दी, जिसके जवाब में उन पर गोलीबारी की गई।

अब पता चल चुका था कि ये ही लोग उग्रवादी हैं। मेजर मैनियो ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाईं। उन्होंने जवानों से कहा कि वे तुरंत इन उग्रवादियों को घेर लें। मैनियो की नजर उग्रवादियों के कमांडर पर थी। उन्होंने उसे बच निकलने का मौका ही नहीं दिया।

मेजर मैनियो ने अचूक निशाना लगाते हुए उसे मार गिराया। इसके बाद एक और उग्रवादी को बुरी तरह घायल कर दिया। उन्होंने उग्रवादियों के खिलाफ ऐसी रणनीति बनाई कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। बाद में पता चला कि वे असम राइफल्स के जवानों पर घात लगाकर किए गए एक हमले के मास्टरमाइंड भी थे।

मेजर मैनियो फ्रांसिस ने शानदार नेतृत्व, अदम्य साहस और बेहतरीन खुफिया नेटवर्क के दम पर देश के दुश्मनों का जिस तरह खात्मा किया, वह प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

बोध कथा

अभागा बुनकर

एक नगर में सोमिलक नाम का जुलाहा रहता था। विविध प्रकार के रंगीन और सुन्दर वस्त्र बनाने के बाद भी उसे भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन कभी प्राप्त नहीं होता था। अन्य जुलाहे मोटा-सादा कपड़ा बुनते हुए धनी हो गये थे। उन्हें देखकर एक दिन सोमलिक ने अपनी पत्नी से कहा---प्रिये ! देखो, मामूली कपड़ा बुनने वाले जुलाहों ने भी कितना धन-वैभव संचित कर लिया है और मैं इतन सुन्दर, उत्कृष्ट वस्त्र बनाते हुए भी आज तक निर्धन ही हूँ। प्रतीत होता है यह स्थान मेरे लिये भाग्यशाली नहीं है; अतः विदेश जाकर धनोपार्जन करूँगा।

सोमिलक-पत्नी ने कहा---प्रियतम ! विदेश में धनोपार्जन की कल्पना मिथ्या स्वप्न से अधिक नहीं। धन की प्राप्ति होनी हो तो स्वदेश में ही हो जाती है। न होनी हो तो हथेली में आया धन भी नष्ट हो जाता है। अतः यहीं रहकर व्यवसाय करते रहो, भाग्य में लिखा होगा तो यहीं धन की वर्षा हो जायगी।

सोमिलक---भाग्य-अभाग्य की बातें तो कायर लोग करते हैं। लक्ष्मी उद्योगी और पुरुषार्थी शेर-नर को ही प्राप्त होती है। शेर को भी अपने भोजन के लिये उद्यम करना पड़ता है। मैं भी उद्यम करूँगा; विदेश जाकर धन-संचय का यत्न करूँगा। यह कहकर सोमिलक वर्धमानपुर चला गया। वहाँ तीन वर्षों में अपने कौशल से 300 सोने की मुहरें लेकर वह घर की ओर चल दिया। रास्ता लम्बा था। आधे रास्ते में ही दिन ढल गया, शाम हो गई। आस-पास कोई घर नहीं था। एक मोटे वृक्ष की शाखा के ऊपर चढ़कर रात बिताई। सोते-सोते स्वप्न आया कि दो भयंकर आकृति के पुरुष आपस में बात कर रहे हैं। एक ने कहा ----हे पौरुष ! तुझे क्या मालूम नहीं है कि सोमिलक के पास भोजन-वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता; तब तूने इसे 300 मुहरें क्यों दीं ? दूसरा बोला----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक पुरुषार्थी को एक बार उसका फल दूंगा ही। उसे उसके पास रहने देना या नहीं रहने देना तेरे अधीन है।

स्वप्न के बाद सोमिलक की नींद खुली तो देखा कि मुहरों का पात्र खाली था। इतने कष्टों से संचित धन के इस तरह लुप्त हो जाने से सोमिलक बड़ा दुःखी हुआ, और सोचने लगा---अपनी पत्नी को कौनसा मुख दिखाऊँगा, मित्र क्या कहेंगे ? यह सोचकर वह फिर वर्धमानपुर को ही वापिस आ गया। वहाँ दित-रात घोर परिश्रम करके उसने वर्ष भर में ही 500 मुहरें जमा करलीं। उन्हें लेकर वह घर की ओर जा रहा था कि फिर आधे रास्ते में रात पड़ गई। इस बार वह सोने के लिये ठहरा नहीं; चलता ही गया। किन्तु चलते-चलते ही उसने फिर उन दोनों---पौरुष और भाग्य---को पहले की तरह बात-चीत करते सुना। भाग्य ने फिर वही बात कही कि----हे पौरुष ! क्या तुझे मालूम नहीं कि सोमिलक के पास भोजन वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता। तब, उसे तूने 500 मुहरें क्यों दीं ? पौरुष ने वही उत्तर दिया ----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक व्यवसायी को एक बार उसका फल दूंगा ही, इससे आगे तेरे अधीन है कि उसके पास रहने दे या छीन ले। इस बात-चीत के बाद सोमिलक ने जब अपनी मुहरों वाली गठरी देखी तो वह मुहरों से खाली थी।

इस तरह दो बार खाली हाथ होकर सोमिलक का मन बहुत दुःखी हुआ। उसने सोचा----इस धन-हीन जीवन से तो मृत्यु ही अच्छी है। आज इस वृक्ष की टहनी से रस्सी बाँधकर उस पर लटक जाता हूँ और यहीं प्राण दे देता हूँ।

गले में फन्दा लगा, उसे टहनी से बाँध कर जब वह लटकने ही वाला था कि उसे आकाश-वाणी हुई---सौमिलक ! ऐसा दुःसाहस मत कर। मैंने ही तेरा धन चुराया है। तेरे भाग्य में भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन का उपभोग नहीं लिखा। व्यर्थ के धन-संचय में अपनी शक्तियाँ नष्ट मत कर। घर जाकर सुख से रह। तेरे साहस से तो मैं प्रसन्न हूँ ; तू चाहे तो एक वरदान माँग ले। मैं तेरी इच्छा पूरी करूँगा।

सोमिलक ने कहा ----मुझे वरदान में प्रचुर धन दे दो।

अदृष्ट देवता ने उत्तर दिया----धन का क्या उपयोग ? तेरे भाग्य में उसका उपभोग नहीं है। भोग-रहित धन को लेकर क्या करेगा ?

सोमिलक तो धन का भूखा था, बोला----भोग हो या न हो, मुझे धन ही चाहिये। बिना उपयोग या उपभोग के भी धन कि बड़ी महिमा है। संसार में वही पूज्य माना जाता है, जिसके पास धन का संचय हो। कृपण और अकुलीन भी समाज में आदर पाते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले, राजनयिकों ने आतंकवाद से निपटने के लिए अधिक सहयोग का आह्वान किया

नई दिल्ली/भाषा

रियो डी जेनेरियो में अगले महीने होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले, समूह के प्रमुख सदस्य देशों के राजनयिकों ने आतंकवाद से निपटने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया और 'ग्लोबल साउथ' के हितों और आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने का आह्वान किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक शुल्क नीति के बीच राजदूतों ने अंतर-ब्रिक्स व्यापार के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग के विस्तार का भी समर्थन किया और आर्थिक मुद्दों पर गहन सहयोग की वकालत की।

वित्तीय समावेशन के तहत भारत ने 'ग्लोबल साउथ' या विकासशील देशों की समस्याओं के समाधान को बढ़ावा देने में समूह के अहम महत्व पर जोर दिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्रा के अधिक उपयोग की वकालत की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील के इस शहर की यात्रा कर सकते हैं।

भारत के ब्रिक्स शेरपा और विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने कहा, ''ब्रिक्स को एकजुट होकर काम करना होगा और 'ग्लोबल साउथ' के लिए समाधान खोजना होगा। इसके लिए प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और भविष्य में उन मुद्दों पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता है।''

रवि ने 'ब्रिक्स' को विकास मंच और भू-राजनीतिक शक्ति दोनों के रूप में आकार देने में भारत की बढ़ती हिस्सेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''हम केवल भागीदार नहीं हैं - हम ब्रिक्स की राह की दिशा में योगदानकर्ता हैं।''

वरिष्ठ राजनयिक ने जोर दिया कि भारत के सफल विकास मॉडल - विशेष रूप से गरीबी उन्मूलन, वित्तीय समावेशन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में - को ग्लोबल साउथ में व्यापक अनुप्रयोग के लिए आदर्श के रूप में देखा जाना चाहिए।

रवि शुक्रवार शाम ''रियो में ब्रिक्स: एक समावेशी और टिकाऊ विश्व व्यवस्था को आकार देना' नामक सम्मेलन में बोल रहे थे।

सम्मेलन का आयोजन भारत में ब्राजील के दूतावास और वैश्विक मामलों पर केंद्रित एक प्रमुख थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ग्लोबल इंडिया इनसाइट्स'(सीजीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

रवि के अलावा, भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव, इंडोनेशिया की राजदूत इना हग्निनिंग्त्यास कृष्णमूर्ति और मिस्र के राजदूत कामेल जायद कामेल गलाल ने सम्मेलन में भाग लिया।

राजदूतों ने आतंकवाद से निपटने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच अधिक से अधिक सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर एक स्वर में बात की। उन्होंने आतंकवाद के प्रति समूह की प्रतिक्रिया की सराहना की और भारत में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा, ''हमने कड़ी निंदा की। इससे पता चलता है कि ब्रिक्स प्रमुख मुद्दों पर एक स्वर में बोल सकता है।''

2029 में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा: फिल्म अभी बाकी है

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को 2029 (के आम चुनाव) में उनकी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में जो कुछ देखा गया वह सिर्फ एक ''न्यूज रील'' थी और ''असली फिल्म'' अभी आनी बाकी है।

हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष गडकरी ने यह भी कहा कि पार्टी ही अपने कार्यकर्ताओं के लिए जिम्मेदारियां तय करती है और भाजपा उनके लिए जो भी जिम्मेदारी तय करेगी, वह उसे निभायेंगे। उन्होंने नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर उदय निरगुडकर को दिए साक्षात्कार में कहा, ''अभी तक जो हुआ है वो तो न्यूज रील थी। असली फिल्म शुरू होना बाकी है।''

गडकरी ने कहा, ''किसी कार्यकर्ता की क्या जिम्मेदारी होगी और वह क्या काम करेगा, यह पार्टी तय करती है। मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, मैं उसे पूरा करूंगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने कभी अपना राजनीतिक बायोडेटा प्रकाशित नहीं किया है और न ही उन्होंने कभी समर्थकों से हवाईअड्डों पर उनके लिए भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा है।

पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत इच्छा विदर्भ में किसानों की आत्महत्या रोकने की दिशा में काम करना है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा, ''आजकल मैं सड़क निर्माण के बजाय कृषि और अन्य सामाजिक पहलों पर अधिक काम करता हूं।''

यह पूछे जाने पर कि भारत की प्रति व्यक्ति आय दुनिया में शीर्ष 10 में क्यों नहीं है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके लिए देश की जनसंख्या जिम्मेदार है। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा, ''यह कोई धार्मिक या भाषाई मुद्दा नहीं है। यह एक आर्थिक मुद्दा है। इतना विकास होने के बावजूद, परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसका कारण बढ़ती जनसंख्या है।''

साक्षात्कार के दौरान गडकरी ने 2014 से सत्तासीन मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025

बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने योग से बदली अपनी जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने योग को सिर्फ एक फिटनेस ट्रेंड नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बना लिया है। बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने योग के ज़रिए न सिर्फ अपने शरीर को मजबूत बनाया, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी पाया। बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण के लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी का सहारा रहा है। डिप्रेशन से जूझने के दौरान योग ने उन्हें संबल दिया। उनके शांत चेहरे और मजबूत फैसलों में उनके योग अभ्यास की झलक साफ नजर आती है। दीपिका योगा को उतनी ही गंभीरता से लेती हैं जितनी अपनी एक्टिंग को। वो टॉप योगा एक्सपर्ट्स के साथ ट्रेनिंग करती हैं और गहराइयां में तो खुद योगा ट्रेनर बन गई थीं। मानसिक स्पष्टता हो या शारीरिक मज़बूती । योग उनकी सेल्फ-केयर किट का सुपरस्टार है। करीना कपूर खान के लिए योग फिटनेस से कहीं बढ़कर है। 108 सूर्य नमस्कार से लेकर फिल्म शेड्यूल्स के बीच स्ट्रेचिंग तक, योग ने उन्हें मां बनने से लेकर सुपरस्टार बनने तक हर मोड़ पर साथ दिया है। करीना का फिटनेस ग्लो योग का कमाल है। उनके लिए योग मतलब है ,अंदर शांति, बाहर शक्ति और बीच में परफेक्ट बैलेंस।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा बॉलीवुड की उन पहली अभिनेत्रियों में में से हैं, जिन्होंने योग को पूरे देश में लोकप्रिय बनाया। उनकी डीवीडी, ऐप्स

और ऑनलाइन सेशन्स ने योग को घर-घर पहुंचाया। उनकी फिटनेस और ग्लो आज भी लोगों के लिए प्रेरणा है। योग और शिल्पा का रिश्ता पुराना है, और ये आज भी सुपर स्ट्रॉन्ग है। उन्होंने तो बॉलीवुड में योगा को मेनस्ट्रीम बना दिया था । आज भी सुबह-सुबह योगा करना उनके दिन की शुरुआत है। सोशल मीडिया पर वो अक्सर पुराने-नए योगा फॉर्म्स का फ्यूजन दिखाकर प्रेरित करती हैं। मलाइका अरोड़ा का नाम आते ही फिटनेस और योग दोनों याद आ जाते हैं। ऐरियल योग हो या कठिन आसन, मलाइका अपने स्टाइल और अनुशासन से लाखों लोगों को प्रेरित कर रही हैं। फिटनेस का पर्याय बन चुकीं मलाइका के लिए योग सिर्फ एक्सरसाइज़ नहीं, एक जज़्बा है। उन्होंने महिलाओं के लिए खास दिव्य योगा की शुरुआत की है। एक ऐसी जगह जहां अंदर से तंदरुस्ती की बात होती है। वो चाहे पेचीदा आसन कर रही हों या बाकी लोगों को हेल्दी लाइफ़स्टाइल अपनाने की सलाह, मलाइका हर कदम पर ग्रेस और स्ट्रेंथ की मिसाल हैं। जैकलीन फर्नांडिस योग को एक जश्न की तरह जीती हैं। उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल में आपको न जाने कितने बार उल्टे लटके हुए योग आसनों में उनकी मुस्कान नजर आएगी। योग के साथ उनकी एनर्जी और पॉज़िटिविटी देखते ही बन शालिनी पांडे के लिए योग फिल्मी दुनिया की भाग-दौड़ में शांति पाने का तरीका है। वो अपने भीतर के संतुलन को बनाए रखने के लिए योग का सहारा लेती हैं, जिससे उन्हें नए किरदारों में ढलने और खुद से जुड़ने में मदद मिलती है। कुब्रा सैत के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि अंदरूनी मजबूती पाने का जरिया है। वो सोशल मीडिया पर अपने अनुभव खुले दिल से शेयर करती हैं, जिससे उनके फैंस भी अपने मन की उलझनों से लड़ने की ताकत पाते हैं।

ईशा गुप्ता योग को अनुशासन और समर्पण के साथ अपनाती हैं। उनके फिट शरीर और ग्लो के पीछे उनका योग का सफर छुपा है। उनके लिए योग एक ऐसा माध्यम है जिससे वो अपने मन और आत्मा से जुड़ती हैं। संदीपा धर के लिए योग अपने शरीर और मन दोनों को संतुलित रखने का जरिया है। वो सोशल मीडिया पर अक्सर अपने शांत और खूबसूरत योग पोस्ट्स शेयर करती हैं, जो लोगों को सच्चे वेलनेस का मतलब समझाते हैं।

आकांक्षा शर्मा के लिए योग एक रोज़ का नियम है। चाहे सुबह के सूर्य नमस्कार हों या कठिन आसन, योग उनके लिए आत्मविश्वास और आत्म-प्रेम का माध्यम है। आकांक्षा रंजन कपूर योगा की सच्ची भक्त हैं। अक्सर उन्हें योगा सेशन से निकलते हुए देखा जाता है, पोस्ट-योगा ग्लो के साथ। उनके लिए योगा हैआत्म-अनुशासन, शांति और रीसेट बटन। एक ऐसी प्रैक्टिस जो उनके बिज़ी ऐक्टर-लाइफ को थोड़ी ठहराव देती है।

तेलुगू सीरीज 'वीराटपालेम: पीसी मीना रिपोर्टिंग' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक कृष्णा पोलुरु की आगामी सीरीज 'वीराटपालेम: पीसी मीना रिपोर्टिंग' का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। वीराटपालेम: पीसी मीना रिपोर्टिंग' एक दिल दहला देने वाली सुपरनैचरल थ्रिलर है, जो आंध्र प्रदेश के भयभीत ग्रामीण परिवेश में घटती है। यह सीरीज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ज़ी5 पर प्रसारित होगी। इस सीरीज़ में अभिग्नया वुथालुरु और चरण लक्कराजू नज़र आयेंगे। वीराटपालेम: पीसी मीना रिपोर्टिंग का निर्देशन कृष्णा पोलुरु ने किया है। कहानी 1980 के दशक की है जब वीराटपालेम नामक एक छोटे से गांव में एक भयावह श्राप फैला हुआ है,जहां हर दुल्हन अपनी शादी के दिन रहस्यमयी तरीके से मर जाती है। पिछले दस सालों में गाँव में कोई शादी नहीं हुई है। गांव डर में जी रहा है, अब वहां सिर्फ बूढ़े और बच्चे ही बचे हैं। जब इस गांव में एक निडर महिला पुलिस कांस्टेबल (अभिग्नया वुथालुरु) की पोस्टिंग होती है, वह इस श्राप को मानने से इनकार करती है।

एक सुधरे हुए अपराधी की मदद से वह गांव के उन रहस्यों की परतें खोलने लगती है, जिन्हें लोग दफनाए रखना चाहते हैं। एक औरत, एक गांव, हज़ारों राज और कुछ राज़ ऐसे हैं जो दफ़न ही रहना चाहते हैं। वीराटपालेम: पीसी मीना रिपोर्टिंग के निर्देशक कृष्णा पोलुरु ने सीरीज के बारे में कहा, रेक्के के बाद एक बार फिर ज़ी 5 के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं। यह सीरीज़ एक ऐसे गांव में सेट है जहां पिछले दस सालों से शादी नहीं हुई क्योंकि हर दुल्हन मर जाती है। डर ने लोगों की ज़ुबान बंद कर दी है और ये कहानी उस ख़ामोशी को तोड़ने की है।

सीरीज के निर्माता केवी श्रीराम ने कहा, रेक्के की सफलता के बाद जी5 के साथ दोबारा काम करके अच्छा लग रहा है। यह कहानी पहली बार से ही मुझे अलग लगी। मुझे गर्व है कि हमने इस सीरीज़ में एक ऐसा माहौल तैयार किया है जो रहस्यमयी, तनावपूर्ण और इमोशनली रियल है। पीसी मीना रिपोर्टिंग' 27 जून को जी 5पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म 'छोरी 2' में दमदार अभिनय के लिए सम्मानित हुई नुसरत भरुचा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा को हाल ही में उनकी फिल्म 'छोरी 2' में दमदार अभिनय के लिए 'ग्राउंड-ब्रेकिंग स्टार ऑफ द ईयर' के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। अवॉर्ड लेते वक्त नुसरत ने एक भावुक भाषण दिया, जो वहां मौजूद सभी लोगों के दिलों को छू गया। अपने करियर के सफर को याद करते हुए नुसरत ने कहा,अपने करियर की शुरुआत में मैं फिल्मों में मजाक का पात्र बनी रही, मुझे हमेशा चालाक, कंट्रोल करने वाली या चिड़चिड़ी लड़की के किरदार मिले। लेकिन आज मैं ऐसे किरदार के लिए अवॉर्ड ले रही हूं, जो एक लड़की की जिंदगी, उसके जीने के अधिकार और अपने लिए ज़िंदगी चुनने के हक की बात करता है। मैं यहां हूं, इस सफर पर, हर उस 'छोरी' के लिए जो अपनी पहचान बनाना चाहती है। मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं ये कहते हुए, क्योंकि ये सफर मेरे लिए भी खुद को साबित करने का एक जरिया रहा है। आज इसका अवॉर्ड मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आप सबको अंदाज़ा नहीं है कि ये मेरे लिए कितना खास है।

नुसरत ने जूरी, अपनी टीम, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, को-स्टार्स और फिल्म इंडस्ट्री के सभी लोगों का दिल से धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस सफलता में उनका साथ दिया। अवार्ड के बाद बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि वो सबसे ज्यादा किससे डरती हैं, तो उन्होंने बड़ी सच्चाई के साथ जवाब दिया,भुला दिए जाने से। मैं नहीं जानती कि मैंने ये इतने बड़े मंच पर कैसे कह दिया। लेकिन यही बात मेरी फिल्मों के चुनाव में भी दिखती है।

मैं ऐसी फिल्म में काम नहीं करना चाहती जिसे देखने के बाद लोग मुझे भूल जाएं। हम सबको एक न एक दिन जाना ही है, लेकिन मैं कुछ ऐसा छोड़ जाना चाहती हूं जिसे देखकर लोग कहें वो नुसरत थी, ये वही थी। 'छोरी 2' ने न सिर्फ नुसरत के अभिनय को एक नई पहचान दी है, बल्कि यह दिखाया कि वह ऐसी कहानियां कहने में यकीन रखती हैं जो सच में मायने रखती हैं। इस फिल्म ने साबित कर दिया कि नुसरत एक ऐसी अदाकारा हैं जो समाज से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से अपनी बात रख सकती हैं।

एनटीआर जूनियर के साथ जोड़ी जमाएगी रुक्मिणी वसंथ!

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री रुक्मिणी वसंथ, मैन ऑफ़ मासेस एनटीआर जूनियर के साथ काम करती नजर आ सकती हैं। जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की फिल्म फिलहाल 'एनटीआरनील' के नाम से जानी जा रही है। माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इंडस्ट्री के भीतर से ही इस प्रोजेक्ट को भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कोलैबोरेशन में से एक बताया जा रहा है। इस बीच रुक्मिणी वसंथ ने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर ऐसा धमाका किया कि सोशल मीडिया पर फैंस की जिज्ञासा सातवें आसमान पर पहुंच गई! उन्होंने एक मिरर सेल्फी शेयर की। शायद वैनिटी वैन से और कैप्शन लिखा:टाइगर टाइगर बर्निंग ब्राइट... अब सुनने में भले ही ये एक नॉर्मल लाइन लगे, लेकिन एनटीआर जूनियर के फैंस तो इस हिंट को तुरंत पकड़ गए! 'टाइगर' तो एनटीआर का आइकॉनिक टाइटल है। हफ्तों से चर्चा थी कि रुक्मिणी इस धमाकेदार प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं और अब ये पोस्ट देखकर लोग कह रहे हैं,ओ भाई, अब तो ऑफिसियल अनाउंसमेंट की ज़रूरत ही क्या है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक कास्ट लिस्ट नहीं दी है, लेकिन ये सोशल मीडिया स्टंट शायद फैंस को मिलने वाला वो इशारा है जिसका वो बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे।

हिना खान ने भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सांस्कृतिक बंधन को जोड़ने पर जाहिर की खुशी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने अपनी शादी के बाद एक महत्वपूर्ण करियर कमिटमेंट के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने मुंबई में कोरिया टूरिज्म इवेंट में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने अपनी भूमिका को ऑनरेरी एंबेसडर के रूप में निभाया। इस अनुभव पर विचार करते हुए, उन्होंने शेयर किया कि कैसे पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत मील के पत्थर को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण है। दरअसल, अभिनेत्री शादी के दूसरे दिन, मानद राजदूत के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए मुंबई में कोरिया पर्यटन कार्यक्रम में दिखाई दी। अपने इस अनुभव पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि

प्रोफेशनल और पर्सनल जिम्मेदारियों के बीच संतुलन चुनौतीपूर्ण है। शुक्रवार को,'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की झलकियां शेयर की। उन्होंने कोरिया पर्यटन का प्रतिनिधित्व करने और भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सांस्कृतिक बंधन को जोड़ने पर अपनी खुशी व्यक्त की। हिना खान ने कोरिया टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन (केटीओ) के भारत और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (एसएएआरसी) देशों के क्षेत्रीय निदेशक मिस्टर म्योंग किल यूं और मुंबई में कोरिया गणराज्य के महावाणिज्य दूत मिस्टर यू डोंगवान के साथ यादगार पलों को सोशल मीडिया पर शेयर किया। वहीं अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए व्यक्तिगत मील के पत्थर और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने के महत्व पर जोर दिया।

'कसौटी जिंदगी की' अभिनेत्री ने लिखा, कोरिया पर्यटन के मानद राजदूत के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। कोरिया पर्यटन संगठन (केटीओ) के भारत और एसएएआरसी देशों के क्षेत्रीय निदेशक म्योंग किल यूं और मुंबई में कोरिया गणराज्य के महावाणिज्यदूत यू डोंगवान के साथ कुछ यादगार पल। इस कार्यक्रम में मौजूद हर कोई खुश था, लेकिन अगले ही दिन दुल्हन को काम पर वापस आते देखकर सुखद आश्चर्य हुआ। हाहाहा। लेकिन एक कमिटमेंट तो एक कमिटमेंट है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन मेरी शादी के अगले दिन था। पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित किया जाना चाहिए। एक अभिनेता के रूप में अपनी मुझे इस आयोजन में शामिल होने का मौका मिला। इस अवसर का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं।

कर्णमोहिनी के रूप में आने में लगते हैं पूरे 2 घंटे : कविता बैनर्जी

इंदौर। टेलीविजन की दुनिया में इतने वर्षों में दर्शकों ने कई यादगार और प्रभावशाली लुक्स देखें जिससे वे खूब इम्प्रेस हुए और इन दिनों 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में अभिनेत्री कविता बनर्जी का रहस्यमयी कर्णमोहिनी किरदार दर्शकों को खासा आकर्षित कर रहा है। उनका रूप बेहद प्रभावशाली, शाही और रहस्यमयी है। उनके भारी कपड़े , आभूषण, दमदार डायलॉग्स और अभिनय ने इस किरदार को एक अलग पहचान दी है। कविता बैनर्जी ने अपने इस अलग लुक के बारे में बात करते हुए कहा,कर्ण मोहिनी का लुक मेरे अब तक के सबसे यूनिक और प्रभावशाली किरदारों में से एक है। सच कहूं तो इस रूप में तैयार होने में करीब दो घंटे का समय लग जाता है। इसके कपड़े और ज्वैलरी बहुत भारी होते हैं, लेकिन जब मैं पूरी तरह से तैयार होकर आईने में खुद को देखती हूं, तो सब कुछ बिल्कुल कम्प्लीट लगता है। यह लुक न सिर्फ मुझे बाहर से अलग दिखाता है बल्कि भीतर की ऊर्जा और व्यक्तित्व को भी कर्ण मोहिनी में ढाल देता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, इस लुक का हर एक हिस्सा, चाहे वह कुंडल हो, भारी सिरमुकुट, भारी नेकपीस, नुकीले नाखून, बड़ी सी ड्रेस या फिर ओढ़नी हो, वो हर चीज़ कर्ण मोहिनी की रहस्यमयी और शक्तिशाली छवि को गहराई से दर्शाती है। इस लुक के माध्यम से मैं केवल अलग नहीं दिखती, बल्कि मेरी पूरी आभा ही बदल जाती है। मैं अपनी पूरी टीम की बेहद आभारी हूं, जिनकी मेहनत इस किरदार को इतना भव्य और प्रभावशाली बनाती है। 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' उज्जैन की एक लड़की दिव्या की जादुई प्रेम यात्रा के इर्द गिर्द घूमती है। जो प्रेम से मिलने के बाद रहस्य और अतीत के गहरे भेदों में उलझती है। यह शो प्रेम, रहस्य और अच्छाई-बुराई के द्वंद्व को बेहद दिलचस्प अंदाज़ में प्रस्तुत करता है। मेघा रे, सूरज प्रताप सिंह और कविता बनर्जी इसकी मुख्य भूमिकाओं में नज़र आते हैं। अधिक जानने के लिए देखें 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' शो हर रात 8:30 बजे, सोमवार से रविवार केवल सन नियो पर।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्रीय योजना के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शुक्रवार को अत्तिगुप्पे स्थित तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, एसएलआर स्कूल व पार्क में लगवाई 12 बैंचों का अनावरण महिला मंडल की संरक्षिका एवं परामर्शिकाओं द्वारा जैन संस्कार विधि द्वारा किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जैन संगठन मैसूरु

भारतीय जैन संगठन, मैसूरु शाखा द्वारा विश्व योग दिवस के मौके पर शनिवार को चिल्ड्रनस पार्क प्रांगण योग प्रशिक्षक रचना द्वारा सामूहिक योग सत्र का संचालन किया गया, जिसमें प्राणायाम, त्राटक, ध्यान एवं विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। प्रोजेक्ट निर्देशक शर्मिला धोका ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अध्यक्ष राजन बाघमार, उपाध्यक्ष अमित चौहान, कुशल पालरेचा, क्षेत्रीय सचिव सुखराज विनायकिया, सचिव राजेंद्र देसरला, महिला विंग की अध्यक्ष शर्मिला धोका, सचिव सीमा बोहरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मारवाड़ी युवा मंच सेन्ट्रल

मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल द्वारा सरजापुर स्थित डेकेथालॉन में 'योग यात्रा' के सहयोग से 200 से अधिक सदस्यों ने योग अभ्यास किया। इस अवसर पर नीतीश टिबरेवाल, संदीप टिबरेवाल, गौरव जिंदल, राहुल बंसल, गौतम लोहिया, शिशिर अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। प्रशिक्षिक योगाचार्यों के माध्यम से एक घंटे का योग सत्र का संचालन हुआ जिसमें विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप बेंगलूरु

तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा विश्व योग दिवस के अवसर पर योग अभ्यास 'फिट युवा-हिट युवा' का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक संतुलन के प्रति जागरूक करना था। प्रेक्षा इंटरनेशनल प्रशिक्षिका रेणु कोठारी ने योगाभ्यास करवाया। इस मौके पर तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मनीष भंसाली, सहमंत्री अंकित छाजेड़, प्रतीक जोगड़, संगठन मंत्री मोहित डूंगरवाल, संयोजक प्रदीप चौपड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष रजत बैद आदि सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेयुप टी. दासरहल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को तेरापंथ युवक परिषद टी. दासरहल्ली के सदस्यों ने तेरापंथ भवन में योगाभ्यास किया। प्रशिक्षक पवन बोहरा, चिराग गाँधी एवं नैना गाँधी ने योग के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए योगाभ्यास करवाया। अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर परिषद परामर्शक लादूलाल बाबेल, तेरापंथ सभा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, उपाध्यक्ष लोकेश बोहरा, प्रकाशचंद गाँधी तेयुप के पूर्व अध्यक्ष मुकेश चावत, कुश बाबेल, दिलीप पोखरणा, देवीलाल गाँधी, मंत्री शुभम बाबेल, सहमंत्री पंकज बाबेल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीलाल गाँधी, संगठन मंत्री कमलेश भटेवरा, प्रचार-प्रसार निखिल बोहरा, युवा संयोजक संतोष बोहरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

माहेश्वरी भवन

बेंगलूरु माहेश्वरी महिला संगठन एवं माहेश्वरी युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर माहेश्वरी भवन में योगाभ्यास किया गया। इस मौके पर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवल किशोर मालू, प्रशिक्षिका रीमा तापड़िया, महिला संगठन की अध्यक्ष श्वेता बियाणी, युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। योग प्रशिक्षिका रीमा तापड़िया ने योग का अभ्यास करवाया। उन्होंने म्यूजिकल योग के साथ फेस योग का भी प्रशिक्षण दिया। गायत्री मालपानी ने प्रशिक्षिका का परिचय दिया। संचालन सचिव निर्मला काँकाणी ने किया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वाहिनी टुमकूर

टुमकूर स्थित वाहिनी पाइप्स परिसर में शनिवार को विश्व योग दिवस मनाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। योग गुरु रश्मि ने शिविर में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन और प्राणायम का अभ्यास करवाया। प्रबंध निदेशक हेमराज सेंणचा और आनंद व निदेशिका गीता सेंणचा आदि सहित विभिन्न अधिकारियों व कर्मचारियों ने योग सत्र में भाग लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो साउथ चैप्टर

जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर, लेडीज विंग ने 'योगट्यूट' के सहयोग से विश्व योग दिवस के मौके पर जैन कॉलेज में 'योग संगम' का आयोजन किया, जिसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, महासचिव नितिन लूनिया कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा , संयुक्त कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया, नरेंद्र संकलेचा, सचिव प्रतीक गांधी, लेडीज विंग की अध्यक्ष सहित स्पोर्ट्स संयोजक चेतन बोहरा, आयोजन संयोजक श्रेयांश राखेचा, सहसंयोजक सफल साकरिया आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो मैसूरु

जीतो मैसूरु द्वारा शनिवार को विश्व योग दिवस के मौके पर समता भवन में योग दिवस का आयोजन किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त शिवशंकर जीएम एवं प्रमाणित योग प्रशिक्षिका निधि जैन ने दीप प्रज्वलन किया गया। जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने सभी का स्वागत किया। योग सत्र का संचालन निधि जैन ने किया। सहायक पुलिस आयुक्त शिवशंकर ने अपने संबोधन में लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की बात कही। इस अवसर पर अपेक्स के संयोजक पुनीत श्रीमाल, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन, उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, महासचिव गौतम सालेचा, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, सचिव प्रेम पालरेचा, रमेश नवलखा, सह-कोषाध्यक्ष गौतम बागमार, जीतो यूथ विंग के चेयरमैन सिद्धार्थ जैन, लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन मोना भटेवरा, उपाध्यक्ष सरिता बागमार, मुख्य सचिव रजनी डाकलिया, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी सहित अनेक जीतो सदस्यगण उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रेस्टीज वेस्ट वुड

शनिवार को विश्व योग दिवस के मौके पर मागड़ी रोड स्थित प्रेस्टिज वेस्ट वुड अपार्टमेन्ट में योग दिवस मनाया गया। तेरापंथ मुनि डॉ. पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी ने योग की महिमा बताई। योग संयोजक उत्तम गन्ना ने योग करवाया व विभिन्न योग अभ्यासों व आसनों के बारे में बताया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि कर्नाटक राज्य में सीबीआई व ईडी के विशेष लोक अभियोजक प्रसन्ना कुमार उपस्थित थे। इस मौके पर ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय शेट्टी, उपाध्यक्ष पुनीत, कोषाध्यक्ष मनोहर हजारे, निदेशक अश्विन सेमलानी, नरेश अग्रवाल, सुरेश अजमेरा आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत समिति

बेंगलूरु के अणुव्रत समिति ने अध्यक्ष ललित बाबेल के नेतृत्व में श्रीरामपुरम स्थित सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण योगाभ्यास किया। मुख्य योग प्रशिक्षक पूजा गुगलिया ने स्कूली बच्चों व अन्य प्रतिभागियों को अलग-अलग मुद्रा के साथ योगाभ्यास करवाया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मांडोत, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री व संयोजक सूरजमल पितलिया, महावीर सालेचा, रूपचंद देसरला, विपिन पितलिया, विकास जैन आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वनबंधु परिषद व मायुमं

विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर, मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा और एसएनएन राज लेकव्यू अपार्टमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को अपार्टमेन्ट में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षिका पूजा माहेश्वरी के निर्देशन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वनबंधु परिषद के अध्यक्ष हाथीमल बैद, कार्यक्रम संयोजक अभिषेक मोदी, स्नेहकुमार जाजू, सन्नी जैन, सुरेश जालान ने बताया कि चैप्टर, महिला समिति, युवा समिति सहित मंच और अपार्टमेंट के अनेक सदस्यों एवं परिवारजनों ने सक्रिय रूप से कार्यक्रम भाग लिया। परिषद के सचिव वैभव गुप्ता ने एकल अभियान द्वारा संचालित एकल विद्यालय के बारे में जानकारी दी ।

जिनदत्तकुशलसूरी मंडल द्वारा साधर्मिक स्कॉलरशिप कार्यक्रम शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल की ओर से मंडल के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न सुकृत कार्यों की श्रृंखला में साधर्मिक स्कॉलरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों के 5 वीं कक्षा तक के बच्चों को शिक्षा में सहयोग के रूप में सहयोग स्कॉलरशिप राशि प्रदान की गई है। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि अनेक स्कूलों के अनेक जरूरतमंद बच्चों को यह राशि प्रदान की गई है और उनकी समस्त जानकारी पूर्णतया गुप्त रखी गई है।

विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा बैंचों का किया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्रीय योजना के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शुक्रवार को अत्तिगुप्पे स्थित तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर, एसएलआर स्कूल व पार्क में लगवाई 12 बैंचों का अनावरण महिला मंडल की संरक्षिका एवं परामर्शिकाओं द्वारा जैन संस्कार विधि द्वारा किया गया।

मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में तेयुप के पूर्व अध्यक्ष राकेश पोकरणा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, मंडल की मंत्री दीपिका गोखरू, उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, सुमित्रा बरड़िया कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली, निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली, सहमंत्री ललित डागा, प्रचार प्रसार मंत्री अनीता जीरावला, संगठन मंत्री सरिता छाजेड़ आदि उपस्थित थे।

तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर की आठवीं वार्षिक साधारण सम्पन्न

वर्ष 2025-26 के लिए सुमन बोथरा नई अध्यक्ष मनोनीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर की अध्यक्ष सुमन पटावरी की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में महिला मंडल के वार्षिक अधिवेशन का आयोजन हुआ। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने स्वागत किया। मंत्री पदमा महेर ने गत साधारण सदन की कार्यवाही का वाचन किया एवं सदन द्वारा पारित करवाया। सुमन पटावरी सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष मधु कटारिया ने संविधान का वाचन किया। कन्या मंडल प्रतिवेदन की प्रस्तुति सहप्रभारी निशा छाजेड़ ने दी। स्कूल प्रोजेक्ट की रिपोर्ट संयोजिका पूनम दक दी। प्रायोजक राकेश छाजेड़, तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने महिला मंडल के कार्यकाल की सराहना की।

चुनाव अधिकारी कंचन छाजेड़ ने चुनावी प्रक्रिया करते हुए सर्व सम्मति से वर्ष 2025-26 के लिए मंजु बोथरा को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया। वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों ने नई अध्यक्ष मंजु बोथरा का सम्मान किया। सभा के गुलाब बाँठिया ने आरआर नगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के चातुर्मास प्रवेश की जानकारी दी। बैठक का संचालन सहमंत्री वंदना भंसाली और रुचिका पटावरी ने किया। सहमंत्री ममता दुगड़ ने धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के स्नेहा संजीवनी महिला एवं बाल क्षेमाभिवृद्धि संघ द्वारा नागरभावी स्थित ज्ञानसौधा सभागार में विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया व प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने सभी को विश्व संगीत दिवस एवं विश्व योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

जेसीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व योग दिवस के अवसर पर शनिवार को जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी द्वारा शनिवार को एक्वा फिट एरीना में जलयोग आधारित 'एक्वा आसन' योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसी कामना जैन ने की। संयोजिका जागृति दवे और सचिव मेघा जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नरेशमुनि के प्रवचन व सत्संग कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार, जिम्मेदारियां सौंपी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन संतश्री नरेशमुनि के प्रवचन व डीके जैन दिलखुश एंड पार्टी द्वारा भजन व सत्संग के 29 जून को प्रस्तावित कार्यक्रम को अंतिम रूप देते हुए जांगीड़ समाज भवन में प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत की अध्यक्षता में विभिन्न कमेटियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई। विश्वकर्मा जांगीड़ समाज के अध्यक्ष कीरताराम, पूर्व अध्यक्ष पोलाराम सुथार व तेजस लूंजा ने सभी का स्वागत किया। जवरीलाल लुनावत ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। 29 जून को सुबह सत्संग, विभिन्न समाज के दस प्रतिनिधियों का संबोधन, अध्यक्ष व सचिव का सम्मान, मुनिश्री का प्रवचन होगा।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com